मनेन्द्रगढ़
04 अगस्त 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में भतों का रेला

● हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे देश के शिवालय ● हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

नईदिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 चरूलंबी लाइन लगी है। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में सावन के पहले सोमवार पर हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। भगवान शिव के दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। केदारनाथ में सावन के तीसरे सोमवार पर 1,500 से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। इससे पहले यहां रोजाना करीब 1,000 श्रद्धालु ही पहुंच रहे थे। उत्तराखंड में पूर्णिमांत पंचांग के अनुसार आज सावन का तीसरा सोमवार है।

अलवर में पांडवों का लाया शिवलिंग, इसे औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया: मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने द्वापर युग में की थी। काशी से शिवलिंग लाकर इस मंदिर में स्थापित किया गया था। तभी से मंदिर में शिवलिंग की पूजा होती है। पांडवों के समय से ही मंदिर में अखंड ज्योत जलती है। सावन के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था।

मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करने से पहले मंगला आरती में हिस्सा लिया। वाराणसी डिवीज़न के डिवीज़नल कमिश्नर और मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाई।

: ब्रीफ बॉक्स :

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

बोले- होइहि सोइ जो राम रचि राखा; विनेश फोगाट बोलीं- उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

गोंडा,एजेंसी। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे।फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा।

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश, साक्षी मलिक समेत कई महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

ट्रम्प बोले- ईरान पर फिर हमला कर सकता हूं

लेकिन लोगों को मारना नहीं चाहता, फिर होगी बातचीत

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान/तेल अवीव,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर ईरान पर फिर हमला कर सकता है, लेकिन वह सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत के जरिए समाधान चाहते हैं

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'हम जब चाहें कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन मैं लोगों को मारना नहीं चाहता। अगर समझौता हो जाता है तो बहुत-सी जानें बच जाएंगी। '

उन्होंने बताया कि सोमवार से अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थों के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वार्ता कहां होगी और इसमें कौन शामिल होगा। उनके मुताबिक, वार्ता में होर्मुज स्ट्रेट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विश्वेश नेगी बने ईरान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली,एजेंसी।। भारत ने 2002 के IFS अधिकारी विश्वेश नेगी को ईरान में अपना अगला राजदूत नियुक्त किया है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में दी है। विश्वेश नेगी ईरान में नियुक्ति से पहले नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरथ थे।विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह जल्द ही ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचकर अपनी नई डिप्लोमैटिक जिम्मेदारी संभालेंगे।

तनाव के बीच नियुक्ति

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत और ईरान के बीच रणनीतिक और व्यापारिक संबंध एक अहम मोड़ पर हैं। खासकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट में वाणिज्यिक जहाजों और भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। ऐसे में नेगी की भूमिका अहम मानी जा रही है।

8300 साल पहले भी उत्तराखंड में मौजूद था इंसान

शिकार के साथ खेती कर पालता था परिवार, दावा- ये सबसे पुराने मानव सयता प्रमाण

देहरादून,एजेंसी। आज से करीब 8300 साल पहले उत्तराखंड की हिमालयी वादियों में इंसान अपने परिवारों के साथ रह रहा था। वह धान की खेती करता था, मिट्टी के बर्तन बनाता था और तांबे का उत्खनन भी करता था। यानी उत्तराखंड में मानव बसावट की शुरुआत अब तक माने जा रहे इतिहास से हजारों साल पुरानी हो सकती है।

पहले उराखंड का सबसे पुराना इतिहास या माना जाता था?

अब तक उत्तराखंड में मानव उपस्थिति के सबसे पुराने ठोस प्रमाण करीब 4 हजार साल पुराने माने जाते थे। अल्मोड़ा की लगभग 3 हजार साल पुरानी रॉक आर्ट, रूपकुंड और मलारी से मिले करीब 1300 साल पुराने मानव कंकाल तथा बाद के मंदिर-मठ राज्य के सबसे पुराने पुरातात्विक साक्ष्य थे। नॉटिंघम विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में मानव उपस्थिति करीब 4600 साल पुरानी बताई गई थी, लेकिन इससे पीछे का इतिहास वैज्ञानिक रूप से साबित नहीं हो पाया था।

वैज्ञानिकों ने आखिर खोज कहां की?

रिसर्च का केंद्र बना चमोली जिले के गोपेश्वर क्षेत्र की तोली ताल, जो समुद्र तल से 2650 से 2800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मीठे पानी की झील है। आईआईटी रुड़की के डिपार्टमेंट ऑफ अर्थ साइंस के प्रोफेसर डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने झील की तलहटी में कई मीटर गहराई तक ड्रिलिंग कर तलछट के नमूने निकाले। इन नमूनों को पांच विश्लेषणात्मक इकाइयों में बांटकर उनकी उम्र, जैविक अवशेष और पर्यावरणीय बदलावों का अध्ययन किया गया।

अब तक वैज्ञानिक उत्तराखंड में मानव सभ्यता के सबसे पुराने ठोस प्रमाण करीब 4 हजार साल पुराने मानते रहे हैं। लेकिन आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों की नई रिसर्च ने इस इतिहास को सीधे 8300 साल पीछे पहुंचा दिया है।वैज्ञानिकों को इसके प्रमाण सेडा-DNA तकनीक से मिले हैं। यह शोध इंटरनेशनल साइंस् मैगजीन क्वाटरनरी साइंस रिव्यूज में पब्लिश हुआ है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज हिमालय में मानव बसावट के इतिहास को लेकर अब तक की वैज्ञानिक समझ को नई दिशा दे सकती है।झील की तलहटी में हर साल मिट्टी की एक नई परत जमा होती जाती है। हजारों साल बाद यही परतें प्राकृतिक इतिहास का रिकॉर्ड बन जाती हैं। अध्ययन में पता चला कि 18,100 से 13,600 साल पहले यह इलाका बेहद शुष्क था। यह हिमयुग के अंतिम चरण यानी लेट ग्लेशियल मैक्सिमम का समय था। इसके बाद ग्लेशियर पीछे हटे, तापमान बढ़ा, नमी बढ़ी और धीरे-धीरे यहां जंगल विकसित होने लगे।

कॉकरोच जनता पार्टी दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी

कहा- राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे; दीपके बोले- स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे।पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद CJP देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत डीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है।इससे पहले, सूरत के एक RTI कार्यकर्ता ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि डीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए।अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी।

विधानसभा उपचुनाव:नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते

बांकीपुर में भाजपा को 18,953 वोट से हराया; MP के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में भाजपा जीती

पटना/भोपाल/अहमदाबाद, एजेंसी। बिहार के बांकीपुर में जनसुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 18953 वोटों से जीत गए हैं। प्रशांत को 63203 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44250 वोट मिले।बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया।

इधर, MP के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

प्रशांत किशोर ने कहा- हमारी प्राथमिकता जनता का समान करना

प्रशांत किशोर बोले- मेरे विधायक बनने से बांकीपुर रातों-रात बेंगलुरु नहीं बन जाएगा, लेकिन आप अगले दो-तीन महीनों में यहां कुछ सुधार जरूर देखेंगे। बांकीपुर की जनता ने भाजपा नेतृत्व को एक स्पष्ट संदेश दिया है। कृपया बिहार के लिए एक अच्छे व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त करें।

गुजरात की मंजलपुर सीट पर BJP प्रत्याशी सतीश पटेल जीते: गुजरात के वडोदरा की मंजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30,499 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को 24,585 वोट मिले।जीत के बाद सतीश पटेल ने कहा कि मंजलपुर की जनता ने जिस तरह योगेश काका को प्यार और समर्थन दिया, उसी तरह मुझे भी आशीर्वाद दिया है। वहीं, भिखाभाई रबारी ने हार स्वीकार करते हुए आरोप लगाया कि मतदान के आखिरी समय में भाजपा ने डर का माहौल बनाया था। 30 जुलाई को हुए उपचुनाव में 37.05% मतदान हुआ था।

पीएम को गालियां देने वाली नाबालिग पर एफआईआर नहीं होगी

दावा- दिल्ली पुलिस बोली प्रधानमंत्री ने माफ कर दिया, इसलिए एक्शन नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गालियां देने वाली नाबालिग के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने लड़की पर एक्शन नहीं लेने का फैसला किया है।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि जब पीएम मोदी ने ही उसे माफ कर दिया, उसके बाद उस पर कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दरअसल, नोएडा पुलिस ने प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने वाली लड़की के खिलाफ जीरो FIR दर्ज की थी।

इसके तुरंत बाद यानी 1 अगस्त की रात लड़की का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उसने माफी मांगते हुए कहा था कि वह बहकावे में आ गई थी।

उराखंड में लैंडस्लाइड से हाईवे बंद, छीसगढ़ में पुल टूटा

यूपी में सड़कों पर नाव चली, बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 10 मौतें

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री नेशनल हाईवे कई जगहों पर बंद हो गया है। इसके चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रुद्रप्रयाग में लगातार बारिश के चलते कई इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है।

छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर पुल दो हिस्सों में टूट गया। इसी दौरान पुल से गुजर रही एक यात्री बस बीच में फंस गई।

पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी बारिश से उत्तर प्रदेश में गंगा, घाघरा और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। बिजनौर में गंगा का पानी 6 गांवों में घुस गया है, जिससे सड़कों पर नाव चल रही हैं।

वहीं, रविवार को बिहार के बांका और झारखंड में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई।

केरल में भारी बारिश से तबाही, 15 लोगों की मौत

अलर्ट पर एनडीआफ और सेना के जवान

तिरुवनंतपुरम: केरल में बारिश और बाढ़ का कहर लगातार जारी है।अब तक केरल में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है और सात लोग अभी भी लापता हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने सोमवार को दी।मुख्यमंत्री ने बारिश से जुड़ी घटनाओं में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संसद में हंगामा

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट के जजों की संया बढ़ाने वाला बिल पास

नई दिल्ली,एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर गई है। इसके पहले लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या (CJI सहित) 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी बिल बिना चर्चा के पास कर दिया।

विपक्षी सांसदों ने प्रश्नकाल शुरू होते ही नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद सदन की कार्रवाई दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। 2 बजे कार्रवाई शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। इस पर सदन की कार्रवाई मंगलवार को स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा की कार्रवाही भी हंगामे के चलते दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। दो बजे बाद कार्रवाई शुरू हुई तो भी विपक्षी सदस्य नारेबाजी की ।

विपक्ष ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के सदन आने और उनके बयान की मांग करते हुए नारे लगाए।

संसद के मौजूदा सत्र में 8 बिल लिस्ट किए गए हैं। इनमें से वंदे मातरम और पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) दोनों सदनों में पास हो चुके हैं।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, आयकर (संशोधन) बिल, MSME विकास (संशोधन) बिल, विदेशी अंशदान (FCRA) संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

ई20 पेट्रोल पर सरकार के जवाब से नए सवाल खड़े हुए : जयराम रमेश

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि 29 जुलाई को संसद में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से जितने सवालों के उत्तर मिले, उससे कहीं अधिक नए सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर ई20 को पूरी तरह सुरक्षित बता रही है, जबकि दूसरी ओर उपभोक्ताओं के अनुभव और विभिन्न तकनीकी दस्तावेज कई अहम चिंताएं सामने रखते हैं।

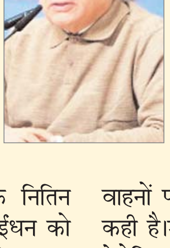

जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नितिन गडकरी ने संसद में कहा था कि ई20 ईंधन को वर्षों के वैज्ञानिक परीक्षण के बाद लागू किया गया है और इससे वाहनों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के वाहन मालिक और मैकेनिक माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, 2023 से पहले बने वाहनों की ई20 के साथ अनुकूलता, कोल्ड-स्टार्ट की समस्या, इंजन के तेजी से घिसने, फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, फ्यूल लाइन में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी शिकायतें लगातार उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जून 2026 में 2023 से पहले बने पेट्रोल वाहनों के 44 हजार से अधिक मालिकों पर किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में लोगों ने ई20 लागू होने के बाद अपने वाहनों पर प्रतिकूल प्रभाव महसूस होने की बात कही है।उन्होंने दावा किया कि सितंबर 2025 में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बायोफ्यूल से वाहनों को नुकसान पहुंचने संबंधी शिकायतों को पूरी तरह खारिज कर दिया था।

डीएमआरसी की नई योजना, 13 स्टेशन पर बनेंगे एफओबी

● बिना मेट्रो लिए आसानी से रोड पार कर सकेंगे लोग

नई दिल्ली (निप्र)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम निर्णय लिया है। डीएमआरसी ने दिल्ली के 13 मेट्रो स्टेशनों पर फुट ओर ब्रिज या सबवे (अंडरपास) बनाने की योजना बनाई है। इन एफओबी और सबवे से मेट्रो में सफर करने वाले यात्री समेत उन लोगों को भी फायदा मिलेगा जो मेट्रो लिए बिना सड़क पार करना चाहते हैं। इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि अगर आप मेट्रो नहीं ले रहे हैं तो भी आप एफओबी और सबवे का इस्तेमाल करके रोड पार कर सकते हैं। डीएमआरसी के अनुसार, लोग मेट्रो स्टेशन के भुगतान वाले क्षेत्र में प्रवेश किए बिना ही व्यस्त सड़कों को सुरक्षित रूप से पार कर सकेंगे।

डीएमआरसी की इस पहल से लोगों का समय तो बचेगा ही, साथ में उनकी सुरक्षा भी मजबूत होगी। क्योंकि उन्हें रोड पार करने का रिस्क नहीं लेना पड़ेगा। वे आसानी से इन एफओबी और सबवे का इस्तेमाल करके रोड पार कर सकेंगे।

मधुबन चौक पर 185 मीटर लंबा: इसके अलावा पीरागढ़ी, मधुबन चौक और आजादपुर में स्रह्क्ष मेट्रो लाइनों के बीच आसान इंटरचेंज कनेक्टिविटी देंगे। मधुबन चौक पर 185 मीटर लंबा, छह मीटर चौड़ा एफओबी मैजेंटा और रेड लाइन के बीच आसान इंटरचेंज की सुविधा देगा।

फाइनेंशियल ईयर में तैयार होने की उम्मीद

डीएमआरसी के के अनुसार, पांच एफओबी जनकपुरी आरके आश्रम मार्ग हिस्से में बनेंगे, जो मैजेंटा लाइन का एक्सटेंशन है। एरोसिटी-तुगलकाबाद के बीच बनने वाली नई गोल्डन लाइन पर चार सबवे और चार होंगे। दोनों कॉरिडोर के चालू फाइनेंशियल ईयर में तैयार होने की उम्मीद है। वहीं, जनकपुरी वेस्ट-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर, केशोपुर, मंगोलपुरी, पीरागढ़ी, मधुबन चौक और आजादपुर में भी एफओबी बनाने की योजना बनाई गई है। केशोपुर और मंगोलपुरी में एफओबी बिजी सड़कों पर पैदल चलने वालों के आने-जाने को

बेहतर कनेटिविटी की सुविधा देगा

डीएमआरसी के अनुसार, पीरागढ़ी में 165 मीटर लंबा स्रह्क्षमैजेंटा को ग्रीन लाइन से जोड़ेगा। आजादपुर स्टेशन ट्रिपल-इंटरचेंज स्टेशन बनने वाला है। यहां दो FOB होंगे, जो मैजेंटा लाइन स्टेशन को येलो और पिंक लाइन से जोड़ेंगे। 72 मीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज स्टेशन को येलो लाइन से जोड़ेगा, जबकि 40 मीटर लंबा एफओबी पिंक लाइन को कनेक्टिविटी की सुविधा देगा। वहीं, एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर पर महिपालपुर, किशनगढ़, वसंत कुंज और छतरपुर में पैदल चलने वालों के लिए सबवे बनाए जा रहे हैं, जबकि साकेत जी ब्लॉक, अंबेडकर नगर, खानपुर और संगम विहार में फुट ओवर ब्रिज बनाने की तैयारी है।

इन लाइनों पर बने 37 एफओबी

बता दें कि छतरपुर स्टेशन पर दो सबवे होंगे। एक 126 मीटर का बॉक्स-पुश सबवे एंट्री गेट 3 और 4 को स्टेशन से जोड़ेगा, जबकि एक 150 मीटर का इंटरचेंज सबवे येलो लाइन को कनेक्टिविटी देगा। डीएमआरसी का कहना है कि इसका परिचालन नेटवर्क लगभग 416 किलोमीटर में फैला है और इस दूरी के बीच 303 मेट्रो स्टेशन हैं। इनमें अभी रेड, येलो, ब्लू, वॉयलेट और पिंक लाइनों पर लगभग 37 फुट ओवर ब्रिज बने हैं। डीएमआरसी के एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, डीएमआरसी अपने स्टेशनों को इस तरह से डिजाइन करता है कि एंट्री या एग्जिट पॉइंट पैदल चलने वालों के लिए सबवे या एफओबी का भी काम करते हैं, जो सिर्फ सड़क पार करना चाहते हैं और मेट्रो से यात्रा नहीं करना चाहते। डीएमआरसी के इस निर्णय से आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा।

पप्पू यादव पर हमले के आरोपी का भाजपा कनेक्शन, आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुटी पुलिस

बुलंदशहर, एजेंसी। दिल्ली में बिहारी के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान हुए हमले के मामले में आरोपी की पहचान बुलंदशहर के सिकंदराबाद क्षेत्र के शहपानी गांव निवासी सुमित गोस्वामी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुमित गोस्वामी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिकंदराबाद नगर मंडल में मंत्री पद पर है। उधर, पुलिस आरोपी की आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय सुमित गोस्वामी के साथ उसका साथी हैप्पी शर्मा भी बाहर कार में मौजूद था। हैप्पी शर्मा बुलंदशहर के नैथला गांव का निवासी है और उसे भाजपा के बुलंदशहर ग्रामीण मंडल का उपाध्यक्ष बताया जा रहा है।

सतना में 14 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद हत्या, ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर किया चक्काजाम

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला सामने आया है। आरोपियों ने किशोरी का शव अबेर-लखनवाह मार्ग के किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। रविवार सुबह कोटर थाना पुलिस ने शव बरामद किया और प्रकरण दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू की, देर रात तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी।स्वजन के मुताबिक, किशोरी सुबह पांच बजे नित्यक्रिया के लिए घर से निकली थी, लेकिन लौटकर घर नहीं पहुंची। घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने अबेर बस स्टैंड परिसर में शव रखकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे ने कहा कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा ही है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की एक लेन बंद, सिर्फ कांवड़िए चलेंगे

नई दिल्ली, (निप्र)। कांवड़ यात्रा को लेकर एनएच-58 का एक हिस्सा मेरठ के परतापुर से उत्तराखंड तक कांवड़ियों के लिए रिजर्व कर दिया है। हाईवे पर दूसरी ओर टू-वे व्यवस्था यानी वाहनों के आने-जाने की व्यवस्था लागू की है। वहीं, कांवड़ियों की भीड़ बढ़ी तो दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा पांच अगस्त से कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दिया जाएगा। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासन का सबसे ज्यादा फोकस हादसों को रोकने पर है। इसके लिए एनएच-58 को निर्धारित समय से तीन दिन पहले ही कांवड़ियों के लिए आरक्षित किया गया। एनएच-58 पर डिवाइडर की एक ओर की पूरी लेन परतापुर से खतौली और इसके बाद मुजफ्फरनगर से उत्तराखंड बार्डर से कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दी गई है। हादसे पर दूसरी ओर टू-वे व्यवस्था में हल्के वाहन और बाइक चलेंगी। दूसरी लेन को भी सात अगस्त से बंद करने को लेकर मंथन चल रहा है।

तस्लीमा नसरीन ने बांग्लादेश सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- मदरसा जिहादियों के पनपने की जगह...

कोलकाता, एजेंसी। लेखिका तस्लीमा नसरीन ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट किया. उन्होंने कहा कि समान अधिकारों की लड़ाई में सभी के लिए समान कानून होना ही सभ्यता की पहली शर्त है. तस्लीमा ने कहा, 'मैं पिछले 40 वर्षों से समान नागरिक संहिता के लिए संघर्ष कर रही हूं उन्होंने टिप्पणी की इस उपमहाद्वीप के देशों- जैसे बांग्लादेश, भारत और पाकिस्तान को समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है. किसी भी सभ्य राष्ट्र में यूसीसी होता ही है मुस्लिम महिलाओं को भेदभाव का सामना करना पड़ता है. बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के पास कोई अधिकार नहीं हैं वहां हिंदू पुरुष बहुविवाह करते हैं और हिंदू महिलाओं के पास तलाक लेने की स्वतंत्रता नहीं है. हालांकि भारतीय हिंदू कानून (1956 का) समान अधिकार प्रदान करता है, लेकिन बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं को ऐसी स्वतंत्रता दिलाने के लिए समान नागरिक संहिता जरूरी है. रविवार को बांग्ला अकादमी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे मदरसों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा बांग्लादेश के मदरसों के बारे में मैं जितना जानती हूं उसके आधार पर उन्हें नहीं होना चाहिए. वे जिहादियों के पनपने की जगह हैं. वहां बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और शोषण की घटनाएं होती हैं और इमाम व शिक्षक अक्सर पकड़े जाते हैं. मदरसों से पास होने वाले छात्र उत्पादक करियर नहीं चुन पाते. वे अक्सर भिक्षावृत्ति का सहारा लेते हैं. इसके बजाय, सभी मदरसों को धर्मनिरपेक्ष स्कूलों में बदल दिया जाना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश सरकार को मदरसों और मस्जिदों पर नियंत्रण रखना चाहिए. तस्लीमा ने बात जोड़ते हुए कहा सरकार को खुद धर्म का प्रचार नहीं करना चाहिए. सरकार का धर्म से कोई संबंध नहीं होना चाहिए.' एक स्वागत समारोह में, निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कृतज्ञता अधीनता का कोई समझौता नहीं है. वाम मोर्चा के शासनकाल के दौरान लेखिका को कोलकाता छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, और बाद की तृणमूल सरकार ने भी उन्हें वापस लाने की कोई पहल नहीं की. इसके विपरीत, भाजपा सरकार के सत्ता में आने के तीन महीने के भीतर ही तस्लीमा कोलकाता लौट आई. शुभेंदु अधिकारी ने व्यक्तिगत रूप से मंच पर खड़े होकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया और कहा, 'पश्चिम बंगाल के प्रशासन में हुए बदलावों को देखते हुए, आपको अक्सर यहां आना चाहिए. एक सुरक्षित पश्चिम बंगाल में आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री और पुलिस की जिम्मेदारी है. यह केवल चेहरों का बदलाव नहीं है, पूरी व्यवस्था ही बदल गई है. ' जब एक पत्रकार ने तस्लीमा से तीनों सरकारों के बीच अंतर के बारे में पूछा, तो लेखिका ने उत्तर दिया, 'एक सरकार ने मुझे निकाल दिया, दूसरी ने मुझे वापस नहीं आने दिया, वहीं एक और सरकार ने मुझे वापस आने की अनुमति दी है.' लेखिका ने स्पष्ट किया कि वह प्रगतिशील मुसलमानों के संगठन 'सेक्युलर मिशन ट्रस्ट' के निमंत्रण पर आई हैं और उन्हें दी गई सुरक्षा के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है।

ईरान पर यूएस के हमले टले, अब बातचीत की कवायद; होर्मुज पर डील और शांति वार्ता पर क्या बोल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के बीच अब कूटनीति की नई कोशिश शुरू होती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि सोमवार दोपहर से दोनों देशों के बीच मध्यस्थों के जरिए बातचीत शुरू होगी। उनका कहना है कि यदि समझौता हो जाता है तो इससे न केवल कई लोगों की जान बचेगी, बल्कि क्षेत्र में बड़े सैन्य टकराव की आशंका भी कम होगी।ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है और वह सैन्य कार्रवाई के बजाय समझौते को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने दोहराया कि उनका उद्देश्य लोगों की जान लेना नहीं, बल्कि विवाद का समाधान निकालना है।सऊदी, यूएई, कतर और ईरान की अपील पर टला हमलाईरान पर हमले रोकने के अपने फैसले पर ट्रंप ने कहा मैंने सऊदी अरब के किंग और क्राउन प्रिंस से पूछा। मैंने कहा, क्या आप चाहेंगे कि हम ऐसा करें या नहीं? उन्होंने कहा, हम एक डील (समझौता) को ज्यादा पसंद करेंगे... क्योंकि आपको नहीं पता कि ये हमले कहां तक जाएंगे। मेरा मतलब है, उनके देश में लोगों की बाढ़ आ जाएगी और यह एक बड़ी मुसीबत होगी। बहुत सी बुरी चीजें हो सकती हैं।ट्रंप ने आगे कहा 'सऊदी अरब, श्व, कतर और ईरान ने ऐसा करने को कहा। हम पूरी तरह तैयार थे... यह एक बहुत बड़ा हमला होता। लेकिन जब सहयोगी देश इसे टालने के लिए कहते हैं, तो आपको सोचना पड़ता है। और उनके ऐसा कहने की वजह यह है कि उन्हें लगता है कि कोई डील हो सकती है। होर्मुज पर एक डील हो सकती है, फिर न्यूक्लियर मामले पर भी डील होगी... मैं इसे ईरान का डी-न्यूक्लियरइजेशन (परमाणु हथियार खत्म करना) कहता हूं... हम अभी रुके हुए हैं... हम जब चाहें ऐसा कर सकते हैं। ट्रंप बोले- समझौता हुआ तो बचेगी बड़ी तबाहीट्रंप ने कहा कि ईरान ने भी हमसे जोरदार तरीके से कहा। उन्होंने कहा कि वे डील करना चाहते हैं।

चुनाव प्रचार के बीच टल सकता है शटडाउन का खतरा, सीनेट ने किस फंडिंग बिल पर बनाई सहमति

अमेरिका में तीसरे शटडाउन को टालने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कुछ प्रमुख सांसदों ने रविवार को एक अल्पकालिक व्यय विधेयक पेश किया। इसका मकसद यह है कि संघीय सरकारी एजेंसियों के पास मध्यावधि चुनाव के बाद और दिसंबर की शुरुआत तक काम करने के लिए पैसा बना रहे। इससे चुनाव प्रचार के बीच सरकार बंद (शटडाउन) होने से बच सकेगी।उम्मीद है कि सीनेट इस विधेयक पर इस हफ्ते के अंत तक मतदान करेगी। इसके बाद सांसद हर साल होने वाले अगस्त अवकाश पर वॉशिंगटन से अपने-अपने क्षेत्रों में चले जाएंगे। इस दौरान कई सांसद राजधानी में काम करने के बजाय अपने दोबारा चुनाव जीतने की तैयारी करना चाहते हैं।दिसंबर तक फंडिंग के लिए क्या है सीनेट का प्लान?इस विधेयक में 11 दिसंबर तक अमेरिका की संघीय सरकार को मौजूदा स्तर पर खर्च के लिए पैसा मिलता रहेगा। प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पहले ही ऐसा ही एक विधेयक पारित कर चुकी है। लेकिन उसमें व्हाइट हाउस की मांगी गई कुछ खास छूट शामिल नहीं थीं। पिछले कुछ दिनों से सांसद यह तय करने के लिए बातचीत कर रहे थे ।

कर्नाटक पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के दौरान बवाल, ओएमआर और प्रश्नपत्र नंबर न मिलने पर भड़के छात्र

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ने कर्नाटक पुलिस में सिविल पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज किया है। केई ने साफ किया है कि ओएमआर शीट का नंबर और प्रश्नपत्र का नंबर आपस में मिलना जरूरी नहीं है।

क्या है मामला: केईए ने कर्नाटक पुलिस विभाग में 1,453 मेल और फीमेल सिविल पुलिस कॉन्स्टेबल पदों के लिए राज्य में रिटन एग्जाम कराया था। एग्जाम के बाद सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैल गई थी कि ओएमआर शीट नंबर और क्वेश्चन पंपर नंबर एक ही होने चाहिए। इस खबर से कई केंडिडेट्स घबरा गए थे। एक बयान में कहा कि ऑफिशियल नोटिफिकेश, इंस्ट्रक्शन बुकलेट या एग्जाम हॉल में दिए गए वर्बल इंस्ट्रक्शन में कहीं भी ऐसा नहीं कहा गया था कि ओएमआर और क्वेश्चन पेपर नंबर मैच करने चाहिए। प्राधिकरण ने बताया कि ओएमआर आंसर शीट में सिर्फ क्वेश्चन पेपर सीरीज कोड और वर्जन कोड भरने का प्रोविजन है। ओएमआर नंबर और क्वेश्चन पेपर नंबर को मैच कराने का कोई नियम नहीं है। कर्नाटक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर इस बारे में झूठी और गुमराह करने वाली खबरें न फैलाएं। सिर्फ ऑफिशियल जानकारी पर ही भरोसा करें।

या तमाशा बनाकर रखा है चंडीगढ़ प्रशासक ने निगम कमिश्नर से मांगा जवाब; मेयर पर भी उठे सवाल

चंडीगढ़, एजेंसी। नगर निगम सदन की बैठक में बिना चर्चा के अहम प्रस्ताव पास किए जाने से प्रशासक गुलाब चंद कटारिया खफा हैं। उन्होंने निगम कमिश्नर अमित कुमार से इस पर जवाब तलब किया है। इस मामले में मेयर सौरभ जोशी पर भी सवाल उठे हैं। प्रशासक ने कमिश्नर को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या तमाशा बनाकर रखा है। इस तरह प्रस्ताव पास किए जाने की जल्दबाजी का

कारण भी पूछा। प्रशासनिक सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है। प्रशासक कई पार्षदों को बुलाकर इसकी विस्तृत जानकारी लेंगे। बुधवार को यूटी सचिवालय में जनसुनवाई के दिन इस मामले पर वरिष्ठ अधिकारियों से बात हो सकती है। बता दें कि निगम सदन की बैठक में टेबल एजेंडा के तौर पर 15 से अधिक प्रस्ताव लाए गए थे। इनमें से चार प्रस्ताव पर ही चर्चा हुई थी। बाकी 11 प्रस्ताव बिना चर्चा और पढ़े ही एक साथ पास कर दिए गए थे। इनमें सेक्टर-25 के सूखा कचरा प्रसंस्करण का प्लांट एजेंसी को दिए जाने का आरएफपी भी शामिल था। इसके अलावा भी पूरे शहर से जुड़े कई प्रस्ताव थे। पहले भी गार्बेज प्रोसेसिंग प्लांट से जुड़े प्रस्ताव विवादों का कारण बनते रहे हैं।

चुनाव से पहले बढ़ रही कलह

जैसे जैसे निगम चुनाव नजदीक आ रहे हैं भाजपा में कलह बढ़ती जा रही है। यह कलह और नाराजगी चुनाव में पार्टी को नुकसान पहुंचाएगी। साल के अंत में निगम चुनाव होने हैं। वहीं कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में जुटी है। भाजपा के असंतुष्ट पार्षदों के रुख पर कांग्रेस की नजर है। आप ने पार्षद प्रत्याशी चयन के लिए अभियान भी शुरू कर दिया है।

भाजपा के अपने पार्षद ही मेयर के खिलाफ

भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों सब ठीक नहीं चल रहा है। अभी तक कई पार्षदों और नेताओं की अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा से नाराजगी दूर नहीं हुई थी। पार्षद अध्यक्ष की बुलाई प्री हाउस बैठकों तक में नहीं पहुंच रहे हैं। अब कई पार्षद अपने ही मेयर सौरभ जोशी के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर चुके हैं। कई पार्षद मेयर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। वह मेयर पर शहर के महत्वपूर्ण प्रस्ताव निगम सदन में बिना चर्चा के ही पास किए जाने से नाराज हैं। पार्षद पहले भी अपने पार्षदों की बजाए विपक्षी पार्षदों को ज्यादा मौका दिए जाने के आरोप मेयर पर लगाते रहे हैं। यह नाराज पार्षद इस सप्ताह मेयर के खिलाफ धरना तक शुरू करने की योजना बना चुके हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मेयर ही नहीं भारतीय जनता पार्टी की मुश्किल भी बढ़ा सकता है। बताया जा रहा है कि इन पार्षदों ने मेयर की शिकायत पार्टी अध्यक्ष से भी की है। भाजपा के कई पार्षद निगम अधिकारियों की कार्यप्रणाली से भी खुश नहीं हैं। पार्षद कंवरजीत सिंह राणा ने तो निगम सदन की बैठक में काम नहीं होने पर सप्ताह बाद धरने पर बैठने की चेतावनी तक दे रखी है। उन्होंने निगम अधिकारियों पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। उन्होंने बुड़ैल एरिया में चार-चार फीट तक जलभराव होने का मामला उठाया था। साथ ही रोड गलियों की सफाई के मामले में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए थे।

शेख हसीना: दो साल बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस, बांग्लादेश वापसी का हो सकता है एलान; क्यों चुनी 5 अगस्त की तारीख

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पांच अगस्त को नई दिल्ली में मीडिया से पहली बार वर्चुअल संवाद करने की संभावना है। दक्षिण एशिया के फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब (एफसीसी साउथ एशिया) की ओर से नई दिल्ली में आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में वह अपने भविष्य की योजनाओं और बांग्लादेश लौटने के प्रस्तावित कार्यक्रम पर बात करेंगी। सत्ता से बेदखली के दो साल बाद क्यों चुनी पांच अगस्त की तारीख?बांग्लादेश में सत्ता से बेदखल होकर शेख हसीना पांच अगस्त 2024 को ही बांग्लादेश छोड़कर भारत आई थीं। इसी के चलते उन्होंने संवाद के लिए इसी तारीख को चुना है। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद उनकी अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। तब से वह भारत में रह रही हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की बीएनपी सरकार लगातार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। यह कार्यक्रम शेख हसीना की सरकार के पतन की दूसरी वर्षगांठ के दिन आयोजित किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्यक्रम के

आयोजकों ने बताया कि इस दौरान शेख हसीना बांग्लादेश वापसी की अपनी योजना की घोषणा करेंगी और देश के लिए अपना विजन पेश करेंगी।कार्यक्रम में कौन-कौन होगा शामिल?इस कार्यक्रम में शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि वह भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके अलावा अवामी लीग के नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल के साथ पूर्व क्रिकेटर व सांसद शाकिब अल हसन भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।बांग्लादेश ह्यूमन राइट्स वॉच के महासचिव मोहम्मद अली सिद्दीक, बांग्लादेश ह्यूमन राइट्स वॉच यूएसए के निदेशक शाह मोहम्मद बख्तियार, सुरक्षा मामलों के विश्लेषक अमीनुल हक पोलाश और आतंकवाद निरोधक मामलों के विशेषज्ञ अबू ओबैधा अरिन भी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इनमें कुछ लोग प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहेंगे, जबकि कुछ वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे।क्या दिसंबर तक बांग्लादेश लौट जाएंगी शेख हसीनाढाका के एक न्यायाधिकरण ने छात्र आंदोलन पर कार्रवाई के दौरान घातक बल के इस्तेमाल का आदेश देने के मामले में शेख हसीना को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। हाल के इंटरव्यू में हसीना कह चुकी हैं कि वह दिसंबर तक बांग्लादेश लौटकर अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहती हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री एम. असदुज्जमान ने पिछले सप्ताह कहा था कि अगर हसीना भारत से लौटती हैं तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार किए जाने की संभावना है।भारत में मौजूदगी पर विवाद क्यों?भारत में शेख हसीना की मौजूदगी बांग्लादेश की सरकार के साथ द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख विवाद का विषय बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार ने स्थानीय मीडिया को हसीना के इंटरव्यू प्रकाशित या प्रसारित करने से भी रोक रखा है। आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध अब भी जारी है। इसके बावजूद पार्टी के कई नेताओं ने इस वर्ष बांग्लादेश लौटकर संगठन को फिर से सक्रिय करने की मंशा जताई है।बांग्लादेश वापसी पर क्या है हसीना की राय?शेख हसीना ने मई में दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उनकी वापसी 'बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली' पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा था कि यह देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा तथा जनता के समग्र कल्याण के लिए भी जरूरी है।

ललितपुर-सिंगरौली रेलवे परियोजना प्रभावित किसानों ने नौकरी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

मांग पूरी नहीं होने पर 8 अगस्त से सीधी से रीवा तक पैदल मार्च की चेतावनी, रेलवे पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ललितपुर-सिंगरौली रेलवे परियोजना से प्रभावित किसानों और युवाओं ने भूमि अधिग्रहण के बदले रोजगार की मांग को लेकर सोमवार को जिला कलेक्टर रीवा एवं संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने रेलवे परियोजना के तहत अधिग्रहित भूमि के बदले प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया कि रेलवे विभाग द्वारा परियोजना प्रभावित परिवारों से किए गए वादों का पालन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई, जिसके कारण प्रभावित किसान और युवा लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं किसानों का कहना है कि पिछले तीन वर्षों से वे लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है प्रभावित परिवारों की मुख्य मांग है कि जिन किसानों की जमीन रेलवे परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई है, उनके परिवार के एक सदस्य को परियोजना में रोजगार दिया जाए ताकि उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो सके। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगामी 8 अगस्त 2026 से सीधी से रीवा तक पैदल मार्च शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, गांधीवादी और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित किया जाएगा ज्ञापन सौंपने वालों में किसान नेता लालमणि त्रिपाठी, महेंद्र पाण्डेय, त्र्यम्बकेश्वर पाण्डेय, राघवेंद्र मिश्रा, रामायण शर्मा, राजेंद्र शर्मा, रमेश शुक्ल सहित अन्य किसान और युवा शामिल रहे किसानों ने इसके बाद संभागायुक्त रीवा को भी अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा किसान नेताओं ने कहा कि यदि समय रहते उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो प्रभावित परिवारों के साथ मिलकर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा और रोजगार के अधिकार की मांग को लेकर संघर्ष जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां सर्वोच्च प्राथमिकता से करें : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक में दिए निर्देश, हर घर तिरंगा अभियान, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुशासन से जुड़े विषयों की हुई विस्तृत समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी विभागों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासन सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करेगा। इसलिए सभी अधिकारी पूरी तैयारी, समन्वय और संवेदनशीलता के साथ अभियान का संचालन सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले जनसंवाद एवं समाधान शिविरों में प्राप्त प्रत्येक शिकायत एवं आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। भ्रमण के दौरान शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों तथा विभागीय संस्थाओं का प्रभावी निरीक्षण किया जाए उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों राजस्व संबंधी मामलों, फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी तथा अन्य जनहित के कार्यों को अभियान के दौरान सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं पूर्व निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाएं, ताकि राष्ट्रीय पर्व का आयोजन गरिमा अनुशासन एवं भव्यता के साथ संपन्न हो कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची 10 अगस्त तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान कलेक्टर ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक जिलेभर में अभियान का व्यापक एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ जनप्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों, स्व-सहायता समूहों, स्वयंसेवी संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें उन्होंने निर्देश दिए कि 10 अगस्त को जिला मुख्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाए तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाए वर्षा ऋतु में शुद्ध पेयजल एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम पर विशेष जोर वर्षा ऋतु को देखते हुए कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग एवं नगरीय निकायों को शुद्ध पेयजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने पेयजल स्रोतों की नियमित जांच, क्लोरीनेशन एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी रखने तथा आवश्यक जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना की नियमित निगरानी की जाए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा निर्धारित मीनू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

ओवरलोड और बिना तिरपाल वाहनों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

सड़क सुरक्षा व प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष अभियान, ओवरलोड रेत से भरा वाहन जब्त; नियम तोड़ने वालों पर चालानी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में सड़क सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर परिवहन विभाग ने विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सघन जांच अभियान चलाकर बिना तिरपाल ओवरलोड तथा आवश्यक दस्तावेजों के बिना संचालित वाहनों पर कार्रवाई की अभियान के दौरान ओवरलोड रेत से भरे एक मालवाहक वाहन को जब्त किया गया, जबकि कई अन्य वाहन चालकों पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर के मार्गदर्शन में विभागीय टीम ने मोरवा, शुक्ला मोड़, एनटीपीसी

गेट और कांटा मोड़ क्षेत्र में वाहनों की गहन जांच की इस दौरान रेत, गिट्टी, मिट्टी, फ्लाई ऐश और कोयले का बिना तिरपाल परिवहन करने वाले वाहनों को विशेष रूप से जांच के दायरे में लिया गया साथ ही ओवरलोडिंग वैध परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र बीमा और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) की भी सघन जांच की गई जांच के दौरान बिना तिरपाल ओवरलोड रेत का परिवहन कर रहे एक मालवाहक वाहन को जब्त कर निगरी चौकी में सुरक्षित खड़ा कराया गया। अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी नियमानुसार चालान जारी किए गए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी परिवहन विभाग ने बताया कि खुले वाहनों में निर्माण सामग्री और खनिजों का परिवहन सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकता है उड़ने वाली धूल से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है इसी कारण सभी वाहन मालिकों और चालकों को सुरक्षा एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी गई है गौरतलब है कि परिवहन आयुक्त ग्वालियर के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 1 से 15 अगस्त तक विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

सावन के पहले सोमवार पर देवतालाब में सुबह से जलाभिषेक

विधायक ने भी की पूजा-अर्चना, एमपी समेत दूसरे राज्यों से भी पहुंचे श्रद्धालु

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सावन के पहले सोमवार पर ऐतिहासिक देवतालाब शिवधाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा ब्रह्ममुहूर्त से ही हजारों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए कतारों में पहुंचे मंदिर परिसर दिनभर हर-हर महादेव' और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहा।

मध्यप्रदेश समेत दूसरे राज्यों से भी पहुंचे श्रद्धालु: देवतालाब शिवधाम में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे भक्तों ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग धतूरा और पुष्प अर्पित कर परिवार और देश की सुख-समृद्धि की कामना की देवतालाब विधायक गिरीश गौतम ने भी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन-अर्चन और जलाभिषेक किया उन्होंने क्षेत्र की शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन करते विधायक गिरीश गौतम भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन करते विधायक गिरीश गौतम देवतालाब मंदिर परिसर में दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु देवतालाब मंदिर परिसर में दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु।

मंदिर से जुड़ी है प्राचीन मान्यता: देवतालाब शिव मंदिर को विंध्य क्षेत्र के सबसे प्राचीन और चमत्कारिक शिवधामों में माना जाता है लोकमान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा ने भगवान शिव के आदेश पर महर्षि मार्कण्डेय की तपस्या से प्रसन्न होकर एक ही रात में इस मंदिर का निर्माण किया था। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि चारधाम यात्रा देवतालाब में जलाभिषेक के बाद ही पूर्ण मानी जाती है।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं के रहे विशेष इंतजाम: भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल और दर्शन व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर स्थित शिवकुंड से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया।

वर्दीधारी आरक्षक का कथित नशे में लड़खड़ाने का वीडियो वायरल, पुलिस ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी अभियान 2.0 के बीच सीधी शहर से एक वर्दीधारी आरक्षक का कथित रूप से नशे की हालत में सार्वजनिक स्थान पर लड़खड़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है सोमवार सुबह करीब 10 बजे सम्राट चौक पर हुई इस घटना के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वर्दीधारी पुलिसकर्मी सम्राट चौक पर चलते समय संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो में पुलिसकर्मी की वर्दी पर लगी नेम प्लेट में आरक्षक 235 राम प्रसाद रावत लिखा दिखाई दे रहा है बताया जा रहा है कि संबंधित आरक्षक सीधी जिले के बाहर पदस्थ है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने यह भी दावा किया है कि आरक्षक कथित रूप से नशे की हालत में राहगीरों से अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा था। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना के समय संबंधित आरक्षक ड्यूटी पर था या अवकाश पर यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब मध्य प्रदेश पुलिस स्वयं प्रदेशभर में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता अभियान चला रही है ऐसे में वर्दीधारी पुलिसकर्मी का कथित रूप से नशे की हालत में सार्वजनिक स्थान पर दिखाई देने का वीडियो विभाग की छवि और अनुशासन को लेकर सवाल खड़े कर रहा है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आ चुका है।

डीएमएफ फंड से करोड़ों की खरीदी पर जांच शुरू, रीवा की टीम ने कॉलेज से जब्त किए दस्तावेज

शासकीय महाविद्यालयों में सामग्री खरीदी में अनियमितता की शिकायत रिकॉर्ड, बिल और स्टॉक रजिस्टर की हो रही जांच

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के शासकीय महाविद्यालयों में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड से करोड़ों रुपये की सामग्री खरीदी में कथित अनियमितताओं की शिकायत के बाद जांच प्रक्रिया तेज हो गई है सोमवार को रीवा संभागीय उच्च शिक्षा विभाग की जांच टीम सिंगरौली स्थित प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज पहुंची, जहां कॉलेज प्रशासन से खरीदी से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की गई। टीम पूरे मामले में खरीदी प्रक्रिया, भुगतान और सामग्री की उपलब्धता का बारीकी से परीक्षण कर रही है भोपाल में की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जिले

के सभी शासकीय महाविद्यालयों के लिए डीएमएफ फंड से करोड़ों रुपये की सामग्री खरीदी गई, लेकिन कई संस्थानों तक सामान पहुंचा ही नहीं। शिकायतकर्ता का दावा है कि कई मामलों में सामग्री का भौतिक सत्यापन किए बिना ही आधे से अधिक भुगतान कर दिया गया। शिकायत में फर्जी बिलों, खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता और सामग्री की वास्तविक उपलब्धता पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं शिकायत के आधार पर रीवा से पहुंची जांच टीम कॉलेज में उपलब्ध खरीदी से संबंधित रिकॉर्ड, भुगतान फाइलें, बिल, स्टॉक रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों का गहन परीक्षण कर रही है। अधिकारी यह मिलान कर रहे हैं कि दस्तावेजों में दर्ज सामग्री वास्तव में कॉलेजों में उपलब्ध है या नहीं। साथ ही यह भी जांचा जा रहा है कि भुगतान प्रक्रिया के दौरान शासन के वित्तीय एवं क्रय संबंधी नियमों का पालन किया गया था या नहीं जांच अधिकारी डॉ. ज्ञानेंद्र तिवारी ने बताया कि टीम सभी दस्तावेजों की सूक्ष्मता से जांच कर रही है विस्तृत परीक्षण के लिए कुछ महत्वपूर्ण अभिलेख रीवा ले जाए जा रहे हैं जहां उनका तकनीकी एवं वित्तीय स्तर पर मिलान किया जाएगा उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि खरीदी प्रक्रिया में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं उच्च शिक्षा विभाग ने संकेत दिए हैं कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी फिलहाल पूरे मामले पर विभाग की नजर बनी हुई है और जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस एवं आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस एवं आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती के अवसर पर विविध शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की वैज्ञानिक परंपरा से जोड़ते हुए आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के विज्ञान, अनुसंधान एवं स्वदेशी उद्योग के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान से परिचित कराना था

इस अवसर पर आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन एवं कृतित्व पर व्याख्यान, उनके वैज्ञानिक योगदान पर परिचर्चा, विज्ञान मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शनी तथा विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और शोध के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया गया इसी क्रम में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा रैंक सेरेमनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को उच्च रैंक प्रदान कर सम्मानित किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय का जीवन समर्पण, स्वदेशी भावना और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रेरणास्रोत है कार्यक्रम के संयोजक डॉ. उमेश कुमार विश्वकर्मा ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन शोध कार्यों तथा भारतीय रसायन विज्ञान के विकास में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में डॉ. अरविंद कुमार त्रिपाठी, डॉ. आई.पी. प्रजापति, डॉ. अरुणा ठाकुर, डॉ. राममिलन प्रजापति, डॉ. विनोद प्रजापति, डॉ. गंगा बैरागी, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. राकेश सिंह चौहान, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. उमाकांत साहू तथा डॉ. नुसरत अली सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया।

संजय गांधी अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारी हड़ताल पर, वेतन भुगतान की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने सोमवार से हड़ताल शुरू कर दी कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिला है और एरियर की राशि भी लंबित है वेतन भुगतान की मांग को लेकर वार्ड बॉय सफाई कर्मचारी सिक्योरिटी गार्ड कंप्यूटर ऑपरेटर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी अस्पताल परिसर में एकत्र हुए और प्रदर्शन किया प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है घर का खर्च बच्चों की पढ़ाई किराया और अन्य जरूरी जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने जल्द से जल्द बकाया वेतन और एरियर भुगतान की मांग की आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राहुल प्रसाद सोंधिया ने

कहा कि कंपनी द्वारा दो महीने से वेतन नहीं दिया गया है कई बार मांग करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा वहीं कंपनी के मैनेजर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की ओर से कंपनी का करीब 12 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है, जिसके कारण वेतन वितरण में देरी हुई है हड़ताल के चलते अस्पताल की सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है अस्पताल प्रबंधन ने व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास करने की बात कही है।

असली सुधार चाहिए, छात्रों का भरोसा जीतने निकली सरकार

पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के बीच, पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार सख्त कदम उठाएगी। इसके बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज सुनी गई है।

सीजेपी प्रोटेस्ट :पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार रात अपने संदेश में यह आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पेपर लीक के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। इसके कुछ घंटों बाद ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसी से मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज अनसुनी नहीं रह गई है।

NTA में सुधार। हाल के बरसों में पेपर लीक जितनी बड़ी समस्या बन चुका है, उसे देखते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई जरूरी है। हालांकि यह भी ध्यान में रहना चाहिए कि देश में कई बार कानून की कमी से ज्यादा उसका पालन चुनौतीपूर्ण होता है। NTA की कमियां और सीमित क्षमता कई बार सामने आ चुकी है।

संपादकीय

इसमें सुधार के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि संस्थागत मजबूती जरूरी है। एड-हॉक की व्यवस्था ने बरसों से परेशान किया है। अब स्थायी और मजबूत सिस्टम चाहिए।

अदालत की निगरानी। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्र द्वारा NEET में किए जा रहे सुधारों की सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी करेगा। असल में बार-बार की गड़बड़ियों की वजह से सिस्टम से स्टूडेंट्स का भरोसा कमजोर हुआ है। वे अब मूलभूत बदलाव चाहते हैं और शीर्ष अदालत की निगरानी से इसमें मदद मिलेगी।

संवाद का रास्ता। शुक्रवार का एक बेहद अहम घटनाक्रम रहा सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बीच दूसरे दौर की बातचीत। भले कोई समाधान नहीं निकला, पर इसे सकारात्मक मानना चाहिए। जन-आंदोलन का नतीजा आखिरकार संवाद से ही निकलता है। दोनों पक्ष तीसरे दौर की वार्ता के लिए सहमत हुए है, जो आज दोपहर में होनी है। हालांकि, सबसे बड़ा मतभेद है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग। CJP और विपक्ष इस पर अड़ा है, जबकि सरकार अभी परीक्षा सुधारों पर जोर दे रही है।

सुझावों पर विचार। CJP के आंदोलन को स्टूडेंट्स ने अपना बना लिया है, क्योंकि सुरक्षित व पारदर्शी परीक्षा उनके भविष्य से जुड़ी है। आज हालात यहां तक इसलिए पहुंचे, क्योंकि जिम्मेदार लोग बार-बार नाकाम रहे। CJP ने परीक्षा प्रणाली में रिफॉर्म्स के लिए सरकार को पांच सुझाव दिए है।

शोध विद्यार्थियों के लिए आपातकाल का सन्दर्भ ग्रन्थ

प्रो. राजकुमार भाटिया

1975 में भारत में लागू किए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ व अनुभवी पत्रकार अजय सेतिया द्वारा लिखित और सुप्रसिद्ध प्रभात प्रकाशन की ओर से प्रकाशित 240 पृष्ठों की पुस्तक 'आपातकालः आन्दोलन और विश्वासघात की अंतर्कथा' भरपूर सामग्री और तथ्यों से लैस है। लेखक, जो आपातकाल के पूर्व एक युवा राजनीतिक कार्यकर्ता थे और जिन्हें आपातकाल में बंदी भी बनना पड़ा, उन्होंने आपातकाल संबंधी साहित्य के अध्ययन एवं अपनी प्रत्यक्ष जानकारियों के आधार पर एक समृद्ध पुस्तक तैयार की है। वैसे तो आपातकाल संबंधी अनेक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं, फिर भी संभवतः इस पुस्तक में जिज्ञासुओं को नया कुछ जानने का अवसर मिलेगा। आपातकाल से जिनका गहरा नाता रहा और जो स्वयं आपातकाल के संबंध में शोध आधारित नई पुस्तकें लिख रहे हैं, ऐसे वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने पुस्तक के प्राक्कथन में लिखा है- 'इमरजेंसी पर पुस्तकों की तो कोई कमी नहीं हैं। फिर भी यह पुस्तक इसलिए बहुत उपयोगी है क्योंकि ज्यादातर पुस्तकें ऐसी हैं, जो इमरजेंसी के संदर्भ पर ध्यान नहीं देतीं। अजय सेतिया की यह पुस्तक पाठकों को उस दौर में चित्रवत पहुँचाती है।'

पुस्तक की प्रासंगिकता के बारे में लेखक ने दो वजहें बताई हैं। वे लिखते हैं– 'दूसरी वजह पहली वाली वजह से भी ज्यादा गंभीर है। आपातकाल की पचासवीं सालगिरह पर मार्क्सवादी कम्युनिस्टों और समाजवादियों ने आपातकाल के दौरान घटी घटनाओं को इतना विकृत करने का प्रयास किया कि सच्चाई का दस्तावेज सामने लाना जरूरी हो गया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने आपातकाल का विरोध जरूर किया था लेकिन आपातकाल के खिलाफ सत्याग्रह या भूमिगत आंदोलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी, जबकि समाजवादियों की आंदोलन और लोक संघर्ष समिति में सक्रिय भागीदारी थी। लेकिन ज्यादातर समाजवादी शुरू के दिनों में ही गिरफ्तार हो गए थे। उनका समाज में ढांचा इतना कमजोर था कि सत्याग्रह में उनकी भूमिका नगण्य थी, जिसके आँकड़े भी इस पुस्तक में दिए गए हैं। भूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह मोटे तौर पर जनसंघ, विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर ही निर्भर था। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर के लोकतंत्र सेनानियों और जिन राज्यों में उन्हें पेंशन मिलती है, उनकी सूची देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आपातकाल के खिलाफ आंदोलन किसने संचालित किया था 'पुस्तक में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि आपातकाल के दौरान विभिन्न संगठनों की वास्तविक भूमिका क्या थी तथा किन संगठनों ने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए सबसे अधिक सक्रियता से कार्य किया। उन्होंने अनेक दस्तावेजों, संस्मरणों, सरकारी अभिलेखों तथा समकालीन समाचारों के आधार पर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। आपातकाल से पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारी होने के नाते, आपातकाल में पूरे समय जेलबंदी के नाते व आपातकाल के तुरंत पश्चात् के घटनाक्रम का भी स्वयं साक्षी था। इसलिए मैं यह अनुभव करता रहा हूँ कि ऐसी पुस्तकों की महती आवश्यकता थी, जो आपातकाल के विरुद्ध किए गए संघर्ष में 'संघ परिवार' की भूमिका को सुसंगत रूप से प्रस्तुत करे। जिसकी अब तक लिखी गई पुस्तकों में कमी महसूस हो रही थी। अजय सेतिया की पुस्तक से वह कमी कुछ सीमा तक दूर हुई है। वैसे तो लेखक ने आपातकाल से पूर्व और आपातकाल के बाद के दृश्यों को समेटते हुए 19 माह के आपातकाल का सजीव चित्रण व विश्लेषण प्रस्तुत किया है, पर जैसा कि 'दूसरी वजह' में उनकी मंशा थी। 36 अध्यायों की पुस्तक में उन्होंने 8 अध्याय 'संघ परिवार' के संदर्भ में लिखे हैं। दो अध्यायों में उन्होंने 'मदरलैंड' अखबार के संपादक केआर मलकानी, उनकी गिरफ्तारी तथा अखबार के 26 जून के अंक के बारे में लिखा है तो दो अध्यायों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह में भूमिका को उजागर किया है। दो अध्यायों में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका के बारे में लिखा है।

'गंगा' न्यायमूर्ति भुयान के लिए भले सिर्फ नदी हो, पर करोड़ों के लिए आस्था की अविरल धारा है

'गङ्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति ।नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥' भारतीय घरों में प्रतिदिन उच्चारित होने वाला यह मंत्र, वस्तुतः उस सभ्यता की घोषणा है जिसने नदियों को संसाधन नहीं, माता माना, जल को पदार्थ नहीं, जीवन माना और गंगा को नदी नहीं, संस्कृति की भावधारा से जोड़ा इसीलिए जब कोई यह कहता है कि गंगा तो बहता हुआ पानी है अथवा उसके संदर्भ में सिर्फ यह तर्क देता है कि 'गंगा के किनारे चिकन खाने पर कोई कानून नहीं है', तब यह तर्क और विवाद किसी भोजन या गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रह जाता, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक विधिक दृष्टि के बीच संवाद का प्रश्न बन जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने वाराणसी के उस प्रकरण का उल्लेख करते हुए, जिसमें गंगा तट पर चिकन बिरयानी खाकर इफ्तार करने वाले कुछ युवकों की गिरफ्तारी हुई थी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की रक्षा का पक्ष रखा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आप कह सकते हैं कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यूपी सरकार में पुलिस की कार्यप्रणाली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। हो सकता है उन्हें जो कानून के विद्यार्थी सुन रहे थे, वह उनके पद एवं प्रतिष्ठा के प्रभाव में आकर उनकी बातों को सच माल लें! किंतु इस पक्ष से जुड़ा एक सच यह भी है कि क्या भारतीय संविधान किसी की भावनाओं और आस्था से खिलवाड़ करने के लिए कोई अवसर देता है? बेशक, लोकतंत्र में यह चिंता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। किसी नागरिक की स्वतंत्रता का अनावश्यक हनन नहीं होना चाहिए, परंतु प्रश्न यह भी है कि क्या किसी पवित्र स्थल की मर्यादा को सिर्फ इस आधार पर परखा जा सकता है कि उस संबंध में कोई दंडात्मक कानून है या नहीं? इसलिए जो मर्जी आए करें! अपनी जूठन उस पवित्र जल में डालें, जिसके प्रति करोड़ों लोग आस्थावान हैं।

सोचिए, सामने से देखने पर यह दृश्य कितना खराब लगता है, जब आप शाकाहारी हों, नदी के प्रति पवित्र भाव रखते हों और उसी नदी के ऊपर कुछ लोग आकर मांसाहार करें, फिर उसके अवशेष पवित्र जल में मिला दें। यहां आप ये कृत्य कर रहे हैं और दूसरी जगह कोई उस जल को बहुत ही श्रद्धा से आचमन कर रहा है, पवित्र 'शुद्धिकरण मंत्र' भी बोल रहा है-

अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

यानी वह इस मंत्र के साथ तीन बार केशव, नारायण एवं माधव का नाम स्मरण कर उसे पी रहा हो, तब आप स्वयं विचार करें कि जो यह पवित्र जल पी रहा है, वह इस तरह के मांसाहार से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद क्या अपना भाव उतना ही पवित्र रख सकेगा, जिस भाव से वह गंगा में पवित्रीकरण करने पहुंचा था? साथ ही इस क्रिया के अलावा अनेक श्रद्धावान अपनी बॉटल में भरकर गंगाजल को घर के मंदिर में रखने के लिए ले जाते हैं, तब क्या इस स्थिति में, इस भाव में वह जल किसी भी मंदिर में रखेजाने योग्य है? स्वभाविक है कि भारत की हिन्दू चेतना इस प्रश्न का उत्तर 'नहीं' में देती है।

कानून समाज को चलाता है, किंतु संस्कृति समाज को जीवित रखती है : काश; हमारे न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान को कोई यह अवश्य बताए कि सभ्यताएँ सिर्फ संविधान की धाराओं पर नहीं टिकतीं, वे स्मृतियों, प्रतीकों और श्रद्धा पर भी खड़ी होती हैं। यदि कानून ही अंतिम सत्य होता, तो संसार में 'मर्यादा' जैसा कोई शब्द नहीं होता। किसी न्यायालय में प्रवेश करते समय लोग स्वतः संयमित हो जाते हैं। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। बलिदानी स्मारकों पर ऊँचे स्वर में ठहाके नहीं लगाते। इन सबके लिए हर क्षण पुलिस या दंड संहिता की आवश्यकता नहीं पड़ती।

भारत के उच्चतम न्यायालय के प्रतीक चिन्ह के नीचे 'यतो धर्मस्ततो जयः' लिखा हुआ है, क्योंकि समाज सिर्फ भय से नहीं, संस्कार से भी संचालित होता है। ठीक उसी प्रकार गंगा के घाट करोड़ों लोगों के लिए मंदिर के समान पवित्र हैं। वहाँ आचरण का निर्धारण विधिक प्रावधानहीं करते हैं, यहां तो सांस्कृतिक मर्यादा भी बहुत कुछ तय करती है।

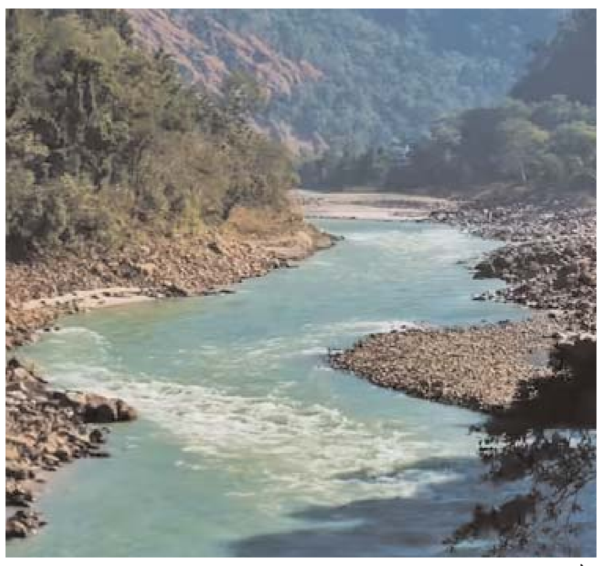

गंगा, भारत की नसों में बहती हुई सभ्यता : गंगा का इतिहास वेदों से प्रारंभ होता है। ऋग्वेद के नदी सूक्त में गंगा का स्मरण है। वाल्मीकि रामायण में वह भगीरथ की तपस्या है। महाभारत में भीष्म की माता गंगा हैं। विष्णु पुराण उन्हें विष्णुपदी कहता है। स्कंद पुराण तो स्पष्ट घोषणा ही कर देता है-

'गङ्गा गङ्गेति यो ब्रूयाद् योजनानां शतैरपि।मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति॥

'भारतीय परंपरा में गंगा जल ही वह जल है, जिसका एक पात्र हर हिन्दू घर में रखा जाता है। जन्म के संस्कार में वही गंगाजल छिड़कता है। विवाह की प्रतिज्ञा उसी के साक्ष्य में होती है। मृत्यु के समय अंतिम बूंद भी उसी की चाही जाती है। वस्तुतः जो नदी मनुष्य के जन्म से मृत्यु तक उसके साथ चलती है, उसे सिर्फ 'जल' कहना उस भावलोक को नकार देना है, जिसमें भारत सहस्राब्दियों से साँस लेता आया है।

भगवान श्रीकृष्ण ने भी गंगा को अपनी विभूति कहा है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- 'स्रोतसामस्मि जाह्नवी।' (गीता 10.31) यानी कि नदियों में मैं स्वयं जाह्नवी अर्थात् गंगा हूँ। निश्चित ही उनका यह कथन गंगा को दिव्यता के सर्वोच्च प्रतिमान के रूप में स्थापित करती है। फिर यदि भारतीय समाज गंगा के प्रति असाधारण श्रद्धा रखता है, तो उसका आधार हजारों वर्षों की दार्शनिक परंपरा भी है।

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी गंगा के सामने नतमस्तक थे, उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा- 'गंगा भारत की नदी है... उससे हमारी जातीय स्मृतियाँ, हमारी आशाएँ, हमारे भय, हमारी विजय और हमारी पराजय जुड़ी हुई हैं। नेहरू स्वयं आधुनिक वैज्ञानिक सोच के पक्षधर थे, किंतु उन्होंने भी गंगा में भारतीय आत्मचेतना को देखा।भले ही फिर नेहरुजी की नीतियों एवं अन्य मामलों में कई मोर्चों पर आलोचना होती होगी, किंतु गंगा को लेकर उनका सदैव ही स्पष्ट मत रहा और उस मत से देखें तो गंगा एक पवित्र नदी है, जिसे अपवित्र करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता है।

यदि नेहरू, विवेकानंद, शंकराचार्य, तुलसीदास, कबीर और महात्मा गांधी, सभी गंगा को भारत की सांस्कृतिक धुरी मानते हैं, तो प्रश्न उठता है कि क्या आधुनिक विधिक विमर्श में उस सांस्कृतिक सत्य के लिए पर्याप्त स्थान बचा है?

स्वतंत्रता का अधिकार और संवेदनशीलता का दायित्व :लोकतंत्र अधिकार देता है; किंतु अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गहरी आस्थाओं की उपेक्षा कर दी जाए। संविधान नागरिक को अधिकार देता है, पर वही संविधान प्रत्येक नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करेगा। यही कारण है कि किसी धार्मिक स्थल पर आचरण व्यक्तिगत पसंद तक सीमित नहीं रहता है, वह सभी के हित से जुड़ा रहता है।

अब न्यायमूर्ति भुयान ने स्वयं अपने व्याख्यान में कहा कि न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति न धन है, न तलवार, उसकी सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास है। वस्तुतः गहराई से देखें तो यही बात इस प्रसंग पर भी लागू होती है। जनता का विश्वास विधिक प्रज्ञा से बनने के साथ ही वह इस अनुभूति से भी बनता है कि न्यायपालिका समाज की संवेदनाओं को समझती है। भारतीय न्याय व्यवस्था तभी अधिक प्रतिष्ठित होगी, जब वह संविधान के अक्षर के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक आत्मचेतना और गौरव को भी समान सम्मान देगी।

भारत को समझे के लिए गंगा को समझना :आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम भारत को सिर्फ विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति की कसौटी पर पढ़ने लगे हैं, जबकि भारत का वास्तविक परिचय उसकी सभ्यता में है। गंगा इस देश के लिए 2,525 किलोमीटर लंबी यात्रा पूर्ण करती है। वे हिमालय से समुद्र तक बहती हुई वह सांस्कृतिक चेतना हैं, जिसने उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम, भाषा और जाति, गाँव और नगर इन सभी को एक सूत्र में बाँध रखा है।

यहां समझने वाली बात यह भी है कि किसी कानून में यह नहीं लिखा कि माँ के चरण छूना अनिवार्य है, फिर भी भारतीय ऐसा करते हैं। ऐसे ही किसी भी अधिनियम में यह भी नहीं लिखा कि तिरंगे को प्रणाम करना आवश्यक है, फिर भी राष्ट्रभक्ति ऐसा करवाती है। उसी प्रकार गंगा के प्रति श्रद्धा किसी दंड संहिता से नहीं मिलती, वह तो भारतीय चेतना में स्वतः स्फुरित है अच्छा हो न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान भारत को वास्तविक अर्थों में समझने के लिए यहां के आस्था प्रतीकों, परंपराओं का भी गहरा अध्ययन कर लेवें। निश्चित ही न्यायमूर्ति भुयान जब ऐसा कर रहे होंगे, तब उन्हें समझ आ जाएगा कि भारत सिर्फ संविधान की धाराओं से नहीं चल रहा है उसके पीछे जो अनेक शक्तियां कार्य कर रही हैं, उनमें से एक धारा गंगा की भी है, जोकि देश के हर हिन्दू घर एवं हृदय से होकर गुजर रही है।

सावन सिर्फ बारिश का मौसम नहीं है, बल्कि जीवन के सभी रूपों का उत्सव है

भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरुआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा।

डॉ. प्रियंका सौरभ

कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए।

सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज़ एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं।

सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूर्वानुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज़ की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा होः कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ।

लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैं: बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज़ सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है।

यह ऋतु आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रावण सबसे पवित्र माह है जो भगवान शिव को समर्पित है और प्रत्येक वर्ष, भारत में बड़ी संख्या में लोग उनके मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अनुशासन, त्याग और आस्था वे प्रमुख तत्व हैं जिनके माध्यम से तीर्थयात्री लंबी यात्राओं पर निकलते हैं और नदियों से पवित्र जल लाकर शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। ये सभी अनूठी भारतीय परंपराएं हैं जहां दुनिया और प्रकृति आपस में जुड़ी हुई हैं और आध्यात्मिक महत्व रखती हैं। नदियां, पहाड़, जंगल, वर्षा और भूमि केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए पवित्र स्थान रखते हैं।

आज सावन पर्यावरण में असंतुलन का भी प्रतीक है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न पर गहरा प्रभाव डाला है। कुछ क्षेत्रों में सामान्य से सौ गुना अधिक वर्षा होती है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, वहीं कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा पड़ता है। शहरीकरण की गति तेज हो गई है और आर्द्रभूमि की जगह कंक्रीट का निर्माण हो गया है, जिससे प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था कमजोर हो गई है और शहरी बाढ़ की समस्या बढ़ गई है। हालांकि, पानी की अधिकता के साथ-साथ पानी की कमी भी हो रही है। यह मौसम, जो पहले प्रचुरता का प्रतीक हुआ करता था, अब हमें पारिस्थितिक नाजुकता के प्रति अधिकाधिक जागरूक बना रहा है।

इसलिए सावन उत्सव का विषय है और इसके प्रति जिम्मेदारी की भावना भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण अब वैकल्पिक नीतियां नहीं रह गई हैं, न ही वृक्षारोपण, आर्द्रभूमि संरक्षण और सतत शहरी नियोजन। कोई भी आकाश से गिरने वाली पानी की उस अनमोल बूंद को बर्बाद नहीं करना चाहेगा।

आज, चिकित्साकरण, प्रतिस्पर्धा और अलगाव से भरी इस दुनिया में, जहाँ हर किसी का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, मानसून लयबद्ध रूप से 'रुक जाओ!' का आह्वान करता है। यह प्रतीक्षा, प्रचुरता, नवीनीकरण और आशा का पाठ है। यह इस बात की गारंटी है कि कोई भी खराब फसल हमेशा के लिए नहीं रहेगी। सूखी भूमि एक बार फिर सुंदर पौधों से भर जाएगी, और थके हुए दिलों को भी नई खुशी मिलेगी।

मानसून वास्तव में अपने आप में एक अनोखी जलवायु घटना है। यह जीवन का एक तरीका है। यह एक ऐसी सीख है जो कहती है कि हर अंत के पीछे एक शुरुआत होती है; हर सूखा खत्म होता है, हर खामोशी एक गीत होती है।

आज और आगे भी जब तक बारिश होती रहेगी, आइए हम इसे जीवनदायी उपहार के रूप में स्वीकार करें और उन मूल्यों को भी अपनाएं जो यह हमें सिखाती है। आइए हम जल बचाएं, प्रकृति बचाएं, रिश्तों को मजबूत करें, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करें और खुले दिल से नवीनीकरण का स्वागत करें।

मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित पुलिसिंग को संयुक्त राष्ट्र में मिली वैश्विक पहचान

डीजीपी कैलाश मकवाणा के नेतृत्व में जन-केंद्रित पुलिसिंग मॉडल की अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मानवाधिकार आधारित, संवेदनशील और जन-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली और सामुदायिक पुलिसिंग मॉडल की संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में आयोजित विश्व मानवाधिकार शिखर सम्मेलन में विशेष सराहना की गई विश्व के 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं पुलिस अधिकारियों शिक्षाविदों और मानवाधिकार विशेषज्ञों की मौजूदगी में मध्यप्रदेश पुलिस का प्रतिनिधित्व डीआईजी (कम्युनिटी पुलिसिंग) डॉ. विनीत कपूरने किया उन्हें सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जहां उन्होंने मानवाधिकार आधारित पुलिस प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा किए जा रहे नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया अपने संबोधन में डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने भारतीय संविधान की मूल भावना और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक सिद्धांतों को पुलिस प्रशिक्षण एवं कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग ही प्रभावी कानून व्यवस्था, सुशासन और जनता के विश्वास का मजबूत आधार है उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस की महिला हेल्प डेस्क शक्ति समितियां अ ौर प्रोजेक्ट सृजन जैसी सामुदायिक पुलिसिंग पहलों का उल्लेख किया उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों तक न्याय और सुरक्षा की पहुंच को मजबूत किया गया है। साथ ही लैंगिक हिंसा और बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया गया है। इन पहलों को सतत विकास लक्ष्य (SDG-16) के अनुरूप समावेशी और अनुकरणीय मॉडल के रूप में सराहना मिली सम्मेलन के दौरान डॉ. कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी का भी उल्लेख किया उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को नशामुक्त समाज निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने Say No to Drugs का संदेश देते हुए नशे के खिलाफ मध्यप्रदेश पुलिस के अभियान की सराहना की मानवाधिकार शिक्षा पुलिस प्रशिक्षण और समुदाय आधारित जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डीआईजी डॉ. विनीत कपूर को Human Rights Hero Award से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके नेतृत्व, नवाचार और समाज हित में किए गए कार्यों के साथ-साथ मध्यप्रदेश पुलिस की मानवीय एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली की अंतरराष्ट्रीय मान्यता का प्रतीक माना जा रहा है सम्मेलन में मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार उन्मुख प्रशिक्षण व्यवस्था जनसहभागिता, सामुदायिक पुलिसिंग और क्षमता विकास कार्यक्रमों की व्यापक प्रशंसा की गई विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने इन्हें आधुनिक लोकतांत्रिक पुलिसिंग का प्रभावी उदाहरण बताते हुए अन्य स्थानों पर लागू किए जाने योग्य मॉडल बताया यह उपलब्धि मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गौरव का विषय है मानवाधिकार संरक्षण, नागरिकों के प्रति जवाबदेही और समाज के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की दिशा में प्रदेश पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों को वैश्विक मंच पर मिली यह पहचान आधुनिक और संवेदनशील पुलिसिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राशन कार्ड ई-केवाईसी अभियान में तेजी, 29,229 सदस्यों की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन कार्डों में दर्ज सभी पात्र सदस्यों की ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के उद्देश्य से खाद्य विभाग ने जिले में अभियान को और तेज कर दिया है खाद्य अधिकारी, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) ने सभी खाद्य निरीक्षकों को अति आवश्यक एवं अंतिम स्मरण पत्र जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने प्रभार क्षेत्र की सभी उचित मूल्य दुकानों की नियमित समीक्षा कर शेष पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूर्ण कराई जाए विभागीय पोर्टल पर 28 जुलाई 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 1,16,582 राशन कार्डों में 3,65,669 सदस्यपंजीकृत हैं। इनमें से 3,26,881 सदस्यों की ई-केवाईसी सफलतापूर्वक सत्यापित की जा चुकी है जबकि 29,229 वास्तविक सदस्यअब भी इस प्रक्रिया से वंचित हैं। इसके अलावा 992 ई-केवाईसी स्वीकृति प्रकरण, 37,796 सदस्य ई-केवाईसी के लिए लंबित 10,286 एपीएल श्रेणी के सदस्य तथा 5 वर्ष से कम आयु के 9,559 बच्चों की ई-केवाईसी भी शेष है खाद्य विभाग ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक उचित मूल्य दुकान से ई-केवाईसी पूर्णता प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त किया जाए। साथ ही जिन सदस्यों की ई-केवाईसी शेष है, उनकी कारणवार एवं सदस्यवार जानकारी निर्धारित प्रारूप में तैयार कर जिला कार्यालय को भेजी जाए। इसके अतिरिक्त 60 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों, दिव्यांगजनों, डुप्लीकेट राशन कार्डधारकों तथा आधार से वंचित सदस्यों की अलग-अलग सूची भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं खाद्य अधिकारी ने कहा कि सभी खाद्य निरीक्षक समय-सीमा का कड़ाई से पालन करते हुए आवश्यक जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराएं ताकि संचालक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय को जिले की अद्यतन प्रगति तत्काल भेजी जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्रुटिरहित बनाने के लिए ई-केवाईसी अभियान को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि जिले के सभी पात्र राशन कार्डधारकों की ई-केवाईसी समयबद्ध रूप से पूर्ण कर किसी भी पात्र हितग्राही को योजना के लाभ से वंचित न रहने दिया जाए।

खाद की किल्लत पर किसानों का फूटा गुस्सा श्योपुर हाईवे पर एक घंटे तक चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। खाद की कमी और टोकन वितरण में अव्यवस्था को लेकर सोमवार सुबह पोहरी में किसानों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया नाराज किसानों ने आईटीआई के पास शिवपुरी-श्योपुर हाईवे पर चक्काजाम कर दिया करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जिससे यातायात पूरी तरह बाधित रहा बाद में पुलिस और प्रशासन के आश्वासन पर किसानों ने जाम समाप्त किया प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप था कि वे कई दिनों से खाद प्राप्त करने के लिए संबंधित केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो समय पर टोकन मिल रहे हैं और न ही पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है किसानों का कहना है कि खेती के महत्वपूर्ण सीजन में खाद की अनुपलब्धता से बुवाई और फसलों की देखरेख प्रभावित हो रही है जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान की आशंका है चक्काजाम की सूचना मिलते ही पोहरी थाना प्रभारी रवि चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर समाधान निकालने का भरोसा दिलायापुलिस की समझाइश और प्रशासन के आश्वासन के बाद करीब एक घंटे में किसानों ने प्रदर्शन समाप्त कर सड़क से हटना स्वीकार किया जिसके बाद हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका किसानों ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने सोमवार दोपहर प्रस्तावित बैठक के बाद खाद के टोकन वितरण और उपलब्धता की स्थिति स्पष्ट करने का आश्वासन दिया है हालांकि किसानों ने चेतावनी भी दी कि यदि वादा पूरा नहीं हुआ और समय पर खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो वे दोबारा चक्काजाम कर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खाद वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए और सभी पात्र किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए ताकि खेती का कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो सके।

वैज्ञानिक खेती का कमाल : घुटरा की विमला दीदी ने बरबटी उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

मचान विधि से बदली किस्मत : घुटरा की विमला दीदी बनीं महिला किसानों के लिए प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कभी पारंपरिक खेती तक सीमित रहने वाली ग्राम घुटरा की विमला दीदी आज वैज्ञानिक खेती की मिसाल बन चुकी हैं इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) के सहयोग से उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर न केवल अपनी खेती को अधिक लाभकारी बनाया बल्कि आसपास की महिला किसानों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई हैं आईएफसी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से विमला दीदी सहित महिला किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मचान विधि (Trellis Method) से बरबटी की खेती करने की तकनीक सिखाई गई। इस वैज्ञानिक पद्धति को अपनाने के बाद उनकी खेती में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला मचान विधि के कारण बरबटी की बेलों को पर्याप्त सहारा मिला जिससे पौधों का विकास बेहतर हुआ फसल को भरपूर धूप और वायु संचार मिलने से पौधे अधिक स्वस्थ रहे तथा रोग एवं कीटों का प्रकोप भी काफी कम हुआ परिणामस्वरूप बरबटी की फलियां लंबी, आकर्षक और बेहतर गुणवत्ता वाली तैयार हुईं, जिससे बाजार में उनकी अच्छी मांग बनी इस तकनीक का एक बड़ा लाभ यह भी रहा कि फसल की तुड़ाई पहले की अपेक्षा अधिक आसान और सुविधाजनक हो गई खेत में कार्य करने में समय और श्रम दोनों की बचत हुई, जबकि उत्पादन में वृद्धि होने से आर्थिक लाभ भी बढ़ा। बेहतर गुणवत्ता के कारण उत्पाद को उचित मूल्य मिला, जिससे विमला दीदी की आय में सकारात्मक बढ़ोतरी हुई विमला दीदी का कहना है कि आईएफसी द्वारा दिए गए प्रशिक्षण ने उनकी खेती करने का नजरिया बदल दिया। पहले जहां वे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर थीं वहीं अब वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त कर रही हैं उनका मानना है कि यदि किसान नई तकनीकों को सीखकर अपनाएं तो कम संसाधनों में भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं विमला दीदी की सफलता आसपास के गांवों की महिला किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि सही प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर महिलाएं भी खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदल सकती हैं इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी)की यह पहल महिला किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ने उनकी आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रही है। घुटरा की विमला दीदी की यह सफलता दर्शाती है कि आधुनिक तकनीक, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ खेती में नई संभावनाओं के द्वार खोले जा सकते हैं।

सिविल अस्पताल में पानी संकट की खबर भ्रामक, बीपीसीएल पाइपलाइन कार्य के कारण रुकी थी जलापूर्ति : अस्पताल प्रशासन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ स्थानीय 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के डायलिसिस यूनिट में पानी के संकट को लेकर प्रकाशित समाचार को अस्पताल प्रशासन ने पूरी तरह भ्रामक और वास्तविकता से परे बताया है। अस्पताल अधीक्षक द्वारा इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एक आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है।

मुख्य बिंदु और वास्तविक तथ्यः गैस पाइपलाइन कार्य बना कारणः मनेन्द्रगढ़ नगर में वर्तमान में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (¼BPCL) द्वारा गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। सड़क खुदाई के कारण 31 जुलाई 2026 को नगर के कई हिस्सों सहित अस्पताल की जलापूर्ति भी अस्थायी रूप से प्रभावित हुई थी प्रबंधन स्तर पर चूक डायलिसिस यूनिट के केंद्र प्रबंधक ने जल उपलब्धता की जांच किए बिना ही प्रक्रिया शुरू कर दी थी और इसकी जानकारी समय रहते अस्पताल प्रशासन को नहीं दी गई त्वरित कार्रवाई से समाधान मामले की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने नगर पालिका परिषद और जल संसाधन विभाग से समन्वय स्थापित कर तुरंत पानी की वैकल्पिक व्यवस्था कराई।

मरीज रहे पूरी तरह सुरक्षितः वैकल्पिक व्यवस्था के बाद डायलिसिस सेवाएं तुरंत बहाल कर दी गईं। सभी पंजीकृत मरीजों का उपचार सुरक्षित और सफलतापूर्वक पूरा किया गया, किसी का भी इलाज प्रभावित नहीं हुआ।

अस्पताल प्रशासन की प्रतिबद्धताः अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि प्रशासन मरीजों को निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए केंद्र प्रबंधक को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे डायलिसिस शुरू करने से पहले अनिवार्य रूप से बिजली और पानी की आपूर्ति का भौतिक सत्यापन करें उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसी अपुष्ट और भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें।

स्वच्छ पेयजल की दिशा में पीएचई विभाग की पहल केलवा पंचायत के चार गांवों में हैंडपंपों का क्लोरीनेशन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत केलवा में विशेष क्लोरीनेशन अभियान चलाया। अभियान के तहत ग्राम मुद्धोवा, खरला, कैलाशपुर और आमादमक के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों का निर्धारित मानकों के अनुसार क्लोरीनेशन कर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देश पर विभाग की तकनीकी टीम एवं हैंडपंप टेक्निशियनों ने अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। प्रत्येक सार्वजनिक हैंडपंप में निर्धारित मानक के अनुरूप 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर जल स्रोतों को कीटाणुरहित किया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं, बैक्टीरिया तथा संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को समाप्त कर ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने केवल क्लोरीनेशन तक ही सीमित न रहकर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों से बचाव तथा जल संरक्षण के उपायों की भी जानकारी दी। ग्रामीणों को सलाह दी गई कि वे सार्वजनिक जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें और पेयजल का उपयोग सावधानीपूर्वक करें, ताकि दूषित जल से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके ग्रामीणों ने विभाग की इस पहल का स्वागत करते हुए सार्वजनिक हैंडपंपों और जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग देने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी पीएचई विभाग ने बताया कि जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से क्लोरीनेशन, जल गुणवत्ता परीक्षण और जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

इंडियन रेडक्रॉस की जिला शाखाओं को मजबूत बनाने पर मंथन, जनसेवा गतिविधियों के विस्तार पर जोर

रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय बैठक में एमसीबी जिले ने रखे सुझाव सदस्यता अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा जिला शाखाओं को अधिक सशक्त, सक्रिय और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से राज्य शाखा कार्यालय रायपुर में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। 1 अगस्त को आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता राज्य शाखा के चेयरमैन तोमन साहू ने की। बैठक में सभी जिला शाखाओं के सभापति (चेयरमैन) तथा सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने भाग लेकर अपने-अपने जिलों में संचालित गतिविधियों की जानकारी साझा की बैठक का मुख्य उद्देश्य रेडक्रॉस की जिला शाखाओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना तथा स्वास्थ्य, आपदा राहत और मानव सेवा से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना था। इस दौरान जिला शाखाओं की आय-व्यय की स्थिति, उपलब्ध निधि, कार्यालय संचालन, कर्मचारियों की व्यवस्था, आजीवन सदस्यों की संख्या, सदस्यता शुल्क एवं अंशदान, संचालित एम्बुलेंस, ब्लड बैंक और वृद्धाश्रम जैसी विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई एमसीबी जिले का प्रतिनिधित्व जिला शाखा के चेयरमैन शैलेश कुमार जैन, सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे तथा जिला प्रभारी गणेश यादव ने किया। बैठक में शैलेश कुमार जैन ने जिले में रेडक्रॉस की सदस्यता बढ़ाने, जूनियर रेडक्रॉस (जेआरसी) और यूथ रेडक्रॉस (यूआरसी) इकाइयों को सक्रिय करने, रेडक्रॉस मेडिकल स्टोर प्रारंभ करने तथा जनहित से जुड़े अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की उन्होंने इन योजनाओं के संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं से भी राज्य कार्यालय को अवगत कराया और लंबित वित्तीय राशि शीघ्र जारी करने का आग्रह किया बैठक को संबोधित करते हुए राज्य प्रबंध समिति के चेयरमैन तोमन साहू तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा की महासचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने रेडक्रॉस की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और जनकल्याणकारी बनाने पर बल दिया उन्होंने सभी जिला शाखाओं से आपसी समन्वय बढ़ाते हुए स्वास्थ्य सेवाओं आपदा राहत रक्तदान, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण और मानव सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में लिए गए निर्णयों से प्रदेशभर में रेडक्रॉस की जनसेवा गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई गई।

मूक-बधिर भतीजी से दुष्कर्म का आरोप चाचा गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के झगराखांड थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है एक व्यक्ति पर अपनी मूक-बधिर भतीजी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है परिजनों की शिकायत के बाद झगराखांड पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही झगराखांड थाना पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई प्रारंभिक पूछताछ और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण भी कराया है साथ ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं ताकि मामले की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच सुनिश्चित की जा सके पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान प्राप्त होने वाले साक्ष्यों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी फिलहाल आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है वहीं क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश और चर्चा का माहौल है पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मामले से जुड़ी किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा जांच पूरी होने तक आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

कपड़े का ठेला लगाने वाले को चाकू मारने वाला गिरफ्तार :इटारसी पुलिस ने निकाला पैदल जुलूस, युवक की जांघ पर किया था वार

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। इटारसी रेलवे स्टेशन के पास ट्रैफिक पुलिस चौकी के सामने रविवार को दिनदहाड़े चाकूबाजी की घटना हो गई। कपड़े का ठेला लगाने वाले 22 साल के शेख अशरफ पर एक बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में अशरफ की जांघ पर गहरा घाव हो गया। घटना के बाद सड़क पर खून फैल गया। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अशरफ को तुरंत जनता बाजार के अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने घाव पर टांके लगाकर शुरुआती इलाज किया। बाद में पुलिस ने सड़क पर फैले खून को साफ कराया। पुलिस के मुताबिक, यह हमला कपड़ा खरीदने को लेकर हुए झगड़े के बाद हुआ। अशरफ के पास दो युवक कपड़ा खरीदने आए थे। दाम कम कराने को लेकर उनकी बहस हुई, जिसके बाद वे चले गए। थोड़ी देर बाद वे वापस लौटे और अशरफ के पैर में चाकू मारकर भाग गए।

पुलिस ने निकाला आरोपी का जुलूस: वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान त्रिवेंद्र उर्फ रामू (21 वर्ष) निवासी नाला मोहल्ला के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी का शहर के मुख्य रास्तों पर पैदल जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपी हाथ जोड़कर चिल्ला रहा था, 'पुलिस हमारी बाप है और चाकू चलाना पाप है। इटारसी थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया युवक के खिलाफ केस दर्ज करके पूछताछ की जा रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रायसेन का पहला आधुनिक चौराहा, गोपालपुर चौराहे के ऊपर फ्लाईओवर, सर्विस रोड भी

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर की पहचान जल्द बदलने वाली है। अब तक तिराहों वाले शहर को पहली बार आधुनिक चौराहा मिलेगा। भोपाल-विदिशा औद्योगिक कॉरिडोर के तहत गोपालपुर में शहर का पहला भव्य चौराहा बनाया जा रहा है। यहां ऊपर फ्लाईओवर बनेगा। नीचे सर्विस रोड से शहर में आने-जाने वाले वाहन चलेंगे। आधुनिक डिजाइन, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन, आकर्षक लाइटिंग के कारण यह चौराहा रायसेन का नया लैंडमार्क बनने की ओर है। भोपाल-विदिशा बायपास पर निर्माणाधीन फोरलेन सड़क के साथ गोपालपुर में फ्लाईओवर तेजी से आकार ले रहा है। फ्लाईओवर से भोपाल और विदिशा की ओर जाने वाले वाहन बिना रुके गुजर सकेंगे। रायसेन शहर में प्रवेश, बाहर निकलने वाले वाहनों के लिए दोनों तरफ करीब 300-300 मीटर लंबी सर्विस रोड बनाई जा रही है। इससे लोकल ट्रैफिक अलग रहेगा। हाईवे ट्रैफिक अलग रहेगा। जाम की समस्या नहीं होगी। आधुनिक तरीके से बन रहा है चौराहा निर्माण एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार, फ्लाईओवर पर चढ़ने और उतरने वाले वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए गोपालपुर पर चार दिशाओं वाला आधुनिक चौराहा विकसित किया जा रहा है। यहां से वाहन आसानी से अपनी दिशा बदल सकेंगे। चौराहे को आकर्षक हाईमास्ट और डेकोरेटिव लाइटिंग से सजाया जाएगा, जिससे रात के समय भी यह क्षेत्र जगमगाता नजर आएगा। गोपालपुर से भोपाल की ओर फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य 60 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। परियोजना को वर्ष 2027 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके पूरा होने के बाद रायसेन का यह पहला चौराहा शहर के विस्तार, औद्योगिक विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा।

शराब पीने के लिए करता था चोरी :सागर में पान-गुटखा की दुकानों से चोरी करने वाला गिरफ्तार, सीसीटीवी से पकड़ाया आरोपी

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर देवरी थाना पुलिस ने पान-गुटखा की दुकानों में चोरी करने वाले एक निगरानी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया है। पूछताछ में उसने तीन चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। रविवार को पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, महाकाली वार्ड निवासी सचिन चौरसिया ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका चौराहे के पास उनकी पान की दुकान है। 30 जुलाई की रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 5 बजे लौटे तो दुकान का ताला टूटा मिला। अंदर रखा गुटखा पाउच, राजश्री, विमल, सिग्नेचर, तलब, सिगरेट और अगरबत्ती के पैकेट चोरी हो चुके थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसमें एक संदिग्ध दिखाई दिया। उसकी पहचान होने के बाद पुलिस ने गौरझामर में दबिश देकर गिल्ले उर्फ लखन पिता गुड्डु पटेल 30, निवासी सरखेड़ा तिगड्डा, गौरझामर को हिरासत में लिया।

तीन दुकानों में कर चुका चोरी: थाने में पूछताछ के दौरान आरोपी ने पान-गुटखा की दुकानों में तीन चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गए गुटखा, सिगरेट, अगरबत्ती समेत अन्य सामान बरामद कर लिया। देवरी थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गौरझामर थाना का निगरानी बदमाश है। वह शराब पीने का आदी है और शराब के लिए पैसे जुटाने के उद्देश्य से पान-गुटखा की दुकानों में चोरी करता था।

इटारसी में सावन के पहले सोमवार पर निकली कांवड़ यात्रा :शिव मंदिरों में भक्तों ने किया जलाभिषेक, जयकारों से गूंजा शहर

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। सावन के पहले सोमवार पर इटारसी पूरी तरह शिवमय नजर आया। शहर के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। भगवान शिव के जलाभिषेक और पूजन-अर्चन के साथ शिव सेवा शंकर समिति की ओर से भव्य कांवड़ यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्रमुख शिवालयों में दिनभर चला जलाभिषेक सुबह से श्रद्धालु पूरी लाइन स्थित भगवान शिव मंदिर, जमानी के प्राचीन तिलक सिंदूर मंदिर और पशुपतिनाथ धाम मंदिर सहित अन्य शिवालयों में पहुंचे। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक दुग्धाभिषेक और बिल्वपत्र अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

खंडवा गौरव दिवस में स्कूली बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियां

कालबेलिया, राजस्थानी और गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी, गूंजे किशोर कुमार के गीत

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में हरफनमौला कलाकार दिवंगत किशोर कुमार की जयंती पर आयोजित तीन दिवसीय 'खंडवा गौरव दिवस' के दूसरे दिन सोमवार को नगर निगम कार्यालय के सामने बने मंच पर स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों के साथ राजस्थानी, कालबेलिया, गणगौर और शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शासकीय उर्दू स्कूल परदेशीपुरा, सेंट जॉन्स कॉन्वेंट स्कूल, एमएलबी कन्या विद्यालय और संत पायस स्कूल के विद्यार्थियों ने किशोर कुमार की पैरोडी पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। आनंदम विद्या निकेतन के विद्यार्थियों ने कालबेलिया नृत्य, संत जोसफ कॉन्वेंट स्कूल ने शास्त्रीय नृत्य, एमजीएम स्कूल और सांदीपनि स्कूल आनंद नगर के विद्यार्थियों ने राजस्थानी लोकनृत्य, जबकि सोफिया कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी।

बैंड पार्टियों की प्रस्तुति भी निकलेगी: गौरव दिवस के तहत सोमवार को सुबह 11 बजे से पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर में स्कूली विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जो दोपहर 2 बजे तक चली। वहीं शाम को नगर निगम और घंटाघर क्षेत्र में फूड फेस्टिवल आयोजित होगा।

यहां स्थानीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे। केवलराम चौराहे से घंटाघर तक बैंड पार्टियों की प्रस्तुति भी निकलेगी। रात 8 बजे नगर निगम चौराहे पर मुख्य मंच पर किशोर कुमार के गीतों पर आधारित ऑर्केस्ट्रा का आयोजन होगा। गौरव दिवस का समापन 4 अगस्त को किशोर कुमार की जयंती पर होगा। सुबह 9 बजे उनकी समाधि पर नगर निगम और किशोर सांस्कृतिक प्रेरणा मंच के संयुक्त तत्वावधान में पुष्पांजलि और स्वरांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सोमवार शाम किशोर नाइट में गीतों की प्रस्तुति

शाम 7:30 बजे से आयोजित 'किशोर नाइट' में गायक पी. गणेश और प्रीति जोशी प्रस्तुति देंगे। इसी अवसर पर पार्श्वगायक विनोद राठौर को गायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एक लाख रुपए की सम्मान राशि और ताम्रपत्र के साथ 'किशोर सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान महापौर अमृता अमर यादव ने विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस मौके पर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी बलवंत पटेल, जिला परियोजना समन्वयक पीएस सोलंकी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

सिर फटा, सड़क पर खून ही खून, करमदी से रतलाम आ रहे थे, स्ट्रीट लाइट बंद थी

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम के करमदी रोड फोरलेन पर रविवार रात स्ट्रीट लाइट बंद होने से बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इससे बाइक पर सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों दोस्त करमदी गांव से रतलाम अपने घर लौट रहे थे। सिर फटने और अंदरूनी चोट आने से दोनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक दोस्तों का पोस्टमार्टम सोमवार सुबह मेडिकल कॉलेज में होगा। हादसा रात करीब 10 बजे के आसपास करमदी फोरलेन स्थित एचपी के पेट्रोल पंप के पास हुआ। जानकारी के अनुसार लक्ष्मीनगर निवासी केशव (20) पिता नूतन परिहार मोहल्ले में ही रहने वाले दोस्त शोएब उर्फ शाहिद (25) पिता राजा के साथ बाइक से करमदी से बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

स्ट्रीट लाइट थी बंद: करमदी से एक किमी आगे एचपी पेट्रोल पंप के पहुंचे तो वहां अंधेरा होने से बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इससे दोनों गंभीर घायल हो गए। सड़क पर खून फैल गया।

हादसे के बाद आसपास के लोग पहुंचे और डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस पहुंची और देर रात दोनों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। केशव डेकोरेशन का काम करता था और शोएब आइसक्रीम पार्लर पर काम करता था। केशव के पिता नूतन परिहार की फूलमंडी में चाय की दुकान है। शोएब के पिता राजा डाट की पुल के पास फल का ठेला लगाते हैं।

एक दोस्त को रास्ते में उतरा था: जानकारी सामने आई है कि केशव व शोएब के साथ एक अन्य दोस्त धर्मेंद्र राठौर भी साथ था। करमदी से तीनों बाइक से निकले थे। हादसे से कुछ देर पहले धर्मेंद्र रास्ते में पेट्रोल पंप पर काम करने वाले एक दोस्त के पास रुक गया था। कुछ देर बाद हादसे की खबर आई। माणकचौक थाना पुलिस घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

हवाओं ने उड़ाया पानी: बीते साल के मुकाबले 140 मिमी पिछड़ा जिला

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। इस बार मानसून की शुरुआत तो बहुत अच्छी रही, लेकिन अब इसकी बेरुखी हम सभी के लिए चिंता का कारण बन रही है। आसमान में घने बादल तो उमड़ रहे हैं, लेकिन दक्षिण-पश्चिमी हवाओं की रफ्तार इतनी तेज है कि ये बादल बिना बरसे ही ऊपर से तेजी से निकल जाते हैं। ये कहना है मौसम विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र सिंह तोमर का। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में दक्षिण-पूर्व राजस्थान पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके साथ मानसूनी टर्फ का असर भी सक्रिय है। इसी मौसमी प्रणाली के कारण अभी जिले में सिर्फ रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है। गणना के अनुसार, आगामी तीन दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। जिले में अब तक कुल 506.1 मिमी औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है। यदि हम इसकी तुलना पिछले साल से करें, तो बीते वर्ष इस अवधि तक 646.3 मिमी बारिश हो चुकी थी। यानी हम पिछले साल के मुकाबले 140 मिमी पीछे चल रहे हैं।

बिजली कटौती के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

मंदसौर के खजूरी मांडा में ट्रांसफार्मर बदलने के आश्वासन पर धरना खत्म

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के खजूरी मांडा गांव में लगातार बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर जलने से नाराज ग्रामीणों ने रविवार देर रात कयामपुर बिजली कंपनी के ग्रिड पर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और समस्या का तुरंत समाधान करने की मांग की।

ग्रामीणों ने गांव में अधिक क्षमता वाला नया ट्रांसफार्मर लगाने और अधिकारियों को मौके पर भेजने की मांग की। उनका कहना था कि मांगें पूरी होने तक वे धरना समाप्त नहीं करेंगे। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए ग्रिड परिसर में तनाव की स्थिति बनी रही।

बिजली कंपनी के सुपरवाइजर ने ग्रामीणों से चर्चा की: सूचना मिलने पर बिजली कंपनी के सुपरवाइजर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। इसके बाद विभाग ने तत्काल 63 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। विभागीय कर्मचारी ट्रांसफार्मर लेकर गांव के लिए रवाना हुए, ताकि उसे जल्द लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके।

आश्वासन के बाद धरना खत्म किया: कंपनी की ओर से समस्या के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। ग्रामीणों ने भविष्य में गांव में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि ऐसी परेशानी दोबारा न हो।

प्रदर्शन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद मंडलोई, जिला पंचायत सदस्य जगदीश धनगर (फौजी), पंकज कटारिया, कयामपुर नगर कांग्रेस अध्यक्ष कय्यूम कुरैशी, ब्लॉक अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष मुबारिक हुसैन मंसूरी, शाहिद नूर कुरैशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खरगोन का देजला-देवाड़ा जलाशय ओवरफ्लो

9 हजार हेक्टेयर भूमि को मिलेगा सिंचाई के लिए पानी, जिले में अब तक 18 इंच बारिश

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले का सबसे बड़ा देजला-देवाड़ा बांध लबालब भर गया है। रविवार रात से बांध स्पिलवे से ओवरफ्लो हो रहा है। बांध के भरने से रबी सीजन की सिंचाई को लेकर किसानों की चिंता काफी हद तक दूर हो गई है। साथ ही भूजल स्तर बढ़ने और शहर की पेयजल व्यवस्था को भी बड़ा सहारा मिलेगा। देजला-देवाड़ा जलाशय की कुल भंडारण क्षमता 50.29 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) है। बांध के भरने से 47 गांवों की करीब 9 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि में रबी फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा।

कुएं-ट्यूबवेल भी होंगे रिचार्ज: बांध के ओवरफ्लो होने से आसपास के कुओं, ट्यूबवेलों और नदी-नालों का जलस्तर भी बढ़ेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई के लिए भूजल उपलब्धता में सुधार होने की उम्मीद है। गर्मी के मौसम में खरगोन शहर की पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए जलाशय में 9 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी आरक्षित रखा जाएगा।

जिले में इस मानसून सीजन में अब तक 18 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक 11.7 इंच बारिश हुई थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 32.6 इंच है।

पिछले वर्ष देजला-देवाड़ा बांध 16 अगस्त को लबालब हुआ था। इस बार कैचमेंट क्षेत्र में बारिश का दौर थमने के बावजूद बांध पहले ही भरकर स्पिलवे से ओवरफ्लो होने लगा है, जिससे किसानों और शहरवासियों में खुशी का माहौल है।

पत्नी पर चाकू से 35 वार, गले में बड़ा छेद

थाने में बीवी से मिलाने की जिद करता रहा, बोला- मुझे रुकैया से मिला दो

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में पत्नी की चाकू मारकर हत्या करने का आरोपी थाने में पत्नी से मिलाने की जिद करता रहा। वह पत्नी का नाम लेकर कहता रहा, रुकैया से मिला दो। आरोप है कि पति ने पत्नी के गले से छाती तक 35 चाकू के वार किए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रतलाम के सुनारों की बावड़ी इलाके में रविवार (2 अगस्त) दोपहर असगर अली (35) ने पत्नी रुकैया (33) की गले पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। फिर शव के पास बैठा रहा, जिसका वीडियो सामने आया है। वारदात के वक्त उनकी 7 साल की बेटी और 2 साल का बेटा भी घर में थे।

घर में शोर सुनकर बेटी पहली मंजिल से नीचे आई और बाहर आकर बताया कि पिता मां को मार रहे हैं। दादा और पड़ोसी घर पहुंचे तो असगर अली पत्नी के सीने पर बैठ गले पर चाकू से वार कर रहा था। उसे रोकने की कोशिश की तो वह चिल्लाने लगा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

एक हाथ पत्नी के गले पर था और दूसरे हाथ में चाकू: सूचना पर माणक चौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान समेत पुलिस टीम पहुंची तो पति शव के पास बैठा मिला। एक हाथ पत्नी के गले पर था और दूसरे हाथ में चाकू था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी के भाई मोहम्मद खाचरौदवाला की शिकायत पर हत्या की एफआईआर दर्ज की गई। पति-पत्नी के मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। हत्या का कारण सामने नहीं आया है।

पुलिस ने पूछा- क्यों मारा, आरोपी कुछ नहीं बोला: थाने में पुलिस ने हत्या का कारण पूछना चाहा, लेकिन वह कुछ नहीं बोला। वह पत्नी से मिलाने की जिद करता रहा और कहता रहा, 'रुकैया से मिला दो।' रात 10:30 बजे पत्नी के शव को परिजन और समाजजन की मौजूदगी में दफनाया गया। गम के माहौल के कारण पुलिस परिजन से पूछताछ नहीं कर सकी। सोमवार को बयान लिए जाएंगे।

वारदात के बाद आरोपी पति शव के पास बैठा रहा: रुकैया का मायका रतलाम के लक्कड़पीठा में है। उसके भाई मोहम्मद खाचरौदवाला को कॉल किया गया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। बोहरा समाज के प्रवक्ता सलीम आरिफ ने बताया कि रात 10:30 बजे शव को दफनाया गया। पुलिस ने दो मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर स्थित घटना वाले कमरे को सील कर दिया है। वारदात के बाद रविवार रात 9 बजे घर के अंदर और बाहर परिवार के कुछ लोग बैठे थे। बाहर मौजूद लोगों ने बात करने से इनकार कर दिया। वे रतलाम के बाहर से आए थे।

गले के बाएं हिस्से में बड़ा छेद हो गया

पति ने पत्नी पर बड़ी बेरहमी से हमला किया था। प्राथमिक जांच में गले से छाती तक 30 से 35 चाकू के वार के निशान मिले हैं। गले के बाएं हिस्से में बड़ा छेद हो गया था। पीएम रिपोर्ट आनी बाकी है। गमगीन माहौल के कारण परिजन बात करने की स्थिति में नहीं थे।

जंजीरों से बांधकर इलाज के लिए ले गए थे

यह भी जानकारी सामने आई है कि पति 6 माह से मानसिक रूप से डिस्टर्ब था और उसका इलाज चल रहा था। उसने सालभर पहले जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ऑनलाइन मोबाइल की शॉप खोली थी, जिसे बाद में बंद कर रतलाम में शुरू कर लिया था। पड़ोसियों के अनुसार, 6 महीने के भीतर परिजन उसे जंजीरों से बांधकर इलाज के लिए धर्मगुरु सैयदना साहब के पास भी ले गए थे।

● वारदात के समय माता-पिता घर में नहीं थे

आरोपी असगर अली पत्नी रुकैया, 7 साल की बेटी और 2 साल के बेटे के साथ रहता था। घर में उसका बड़ा भाई मुस्तफा (40) और माता-पिता भी रहते थे। वारदात के समय माता-पिता घर में नहीं थे। जानकारी के अनुसार, बड़ा भाई मुस्तफा बचपन से मानसिक रूप से विक्षिप्त है, जिसकी देखभाल रुकैया करती थी।

● सुबह चाय पी और बेक समोसा खाया था

जानकारी के अनुसार वारदात से पहले घर में सब कुछ सामान्य था। आरोपी ने सुबह चाय पी थी और बेक समोसा खाया था। मां ने चेहल्लुम होने के कारण मस्जिद जाने के लिए भी कहा था। इसके बाद अचानक क्या हुआ, इसकी जानकारी घर में किसी को नहीं चली। माणक चौक थाना प्रभारी विक्रमसिंह चौहान ने बताया कि आरोपी पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

विराट कोहली जैसे खिलाड़ी क्रिकेट को जिंदा रखते हैं

पूर्व अंपायर अनिल चौधरी का बड़ा बयान

नई दिल्ली (निप्र)।: भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर अनिल चौधरी ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसे जुनूनी और आक्रामक खिलाड़ी ही क्रिकेट को रोमांचक बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि कोहली का आक्रामक रवैया किसी के प्रति दुर्भावना नहीं, बल्कि जीतने की तीव्र इच्छा का परिणाम होता है। वहीं, उन्होंने नॉन-स्ट्राइकर एंड रनआउट (मांकड़) नियम और मैदान पर खिलाड़ियों की आक्रामकता पर भी अपनी राय रखी।

● **'विराट कोहली जैसे खिलाड़ी नहीं होंगे तो क्रिकेट बोरिंग हो जाएगा'**–जियोहॉटस्टार पर बातचीत के दौरान अनिल चौधरी ने कहा कि वह विराट कोहली को उनके बचपन से जानते हैं क्योंकि उन्होंने शुरुआती दिनों से उनके मैचों में अंपायरिंग की है। उन्होंने कहा, 'विराट के अंदर किसी तरह की दुर्भावना नहीं है। वह कभी–कभी आक्रामक प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन अगर आपका फैसला सही हो तो वह आपकी तारीफ भी करते हैं। ओवरों के बीच आकर हंसते–बोलते हैं। वह पूरे मैच में ऊर्जा से भरे रहते हैं। विराट जैसे खिलाड़ी होने चाहिए, नहीं तो क्रिकेट बोरिंग हो जाएगा।'

● **गंभीर–कोहली विवाद पर भी रखी राय**–अनिल चौधरी ने आईपीएल 2013 में विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच हुए चर्चित विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर भारत के खिलाड़ी स्वभाव से आक्रामक होते हैं और यही उनकी ताकत भी है। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले से अंदाजा था कि ऐसा कुछ हो सकता है। उत्तर भारत के खिलाड़ी हमेशा जोश और आक्रामकता के साथ खेलते हैं। अगर उनसे यह आक्रामकता छीन ली जाए तो उनके प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। हालांकि इसकी एक सीमा होनी चाहिए और उसे पार नहीं करना चाहिए।'

● **'मांकड़' रनआउट पूरी तरह सही, जल्द बदल सकता है नियम**–नॉन–स्ट्राइकर एंड रनआउट को लेकर चल रही बहस पर भी पूर्व अंपायर ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज का क्रीज छोड़कर पहले निकलना गेंदबाज के साथ अन्याय है। चौधरी ने कहा, 'यह आउट पूरी तरह नियमों के अनुसार है। नॉन–स्ट्राइकर पहले निकलकर अनुचित फायदा उठाता है। मुझे लगता है कि अगले एक–दो साल में चेतावनी और रन पेनल्टी वाला नया नियम आ सकता है, ताकि बल्लेबाज ऐसा करने से बचें।'

● **आकाश चोपड़ा ने सुनाया वीरेंद्र सहवाग का मजेदार किस्सा**– पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे का एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार वीरेंद्र सहवाग ने अंपायर स्टीव बकनर से उनकी उम्र पूछी और फिर मजाक में कहा, 'आपको सुनाई भी नहीं देता, दिखाई भी नहीं देता, अब रिटायर हो जाइए।

चेल्सी एफसी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को किया साइन

● 2033 तक का हुआ करार

लंदन (निप्र)। चेल्सी एफसी ने आरसी स्ट्रासबर्ग से अर्जेंटीना के इंटरनेशनल खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को साइन करने की पुष्टि की है। मिडफील्डर ने 2033 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। अर्जेंटीना के 22 वर्षीय खिलाड़ी प्री-सीजन के दौरान मैनेजर जाबी अलोंसो और अपनी नई टीम के साथियों के साथ जुड़ेंगे। 22 वर्षीय बारको ने अर्जेंटीना में बोका जूनियर्स के साथ अपना करियर शुरू किया था। अकादमी में आगे बढ़ने के बाद उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया और 2024 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन में शामिल होने के लिए इंग्लैंड जाने से पहले कई खिताब जीते। ससेक्स कोस्ट पर रहने के दौरान, वह कुछ समय के लिए सेविला और आरसी स्ट्रासबर्ग के लिए लोन पर खेले। 2024/25 सीजन में शानदार प्रदर्शन और स्ट्रासबर्ग को यूरोपियन फुटबॉल में जगह दिलाने में मदद करने के बाद, वे स्थायी रूप से स्ट्रासबर्ग से जुड़ गए। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 43 मैचों में बारको ने 12 गोल में योगदान दिया। क्लब स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया था।

पिछले सीजन में, वे स्ट्रासबर्ग टीम का हिस्सा थे जो यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

21 वर्षीय बारको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली अर्जेंटीना टीम के सबसे युवा खिलाड़ी थे। हालांकि, खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार ट्रॉफी को अपने नाम करने का सपना अधूरा रह गया था और स्पेन ने 1-0 से बाजी मारी थी। बारको ने अब तक पांच बार अर्जेंटीना की सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

उन्होंने इस साल की शुरुआत में जाम्बिया और आइसलैंड के खिलाफ जीत में दो गोल किए थे और जॉर्डन के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत में अपना वर्ल्ड कप डेब्यू किया। जाम्बिया के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में बारको ने अर्जेंटीना की सीनियर टीम के लिए अपना पहला गोल किया था और टीम इस मैच को 5-0 से अपने नाम करने में सफल रही थी। उन्होंने जून 2026 में आइसलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान भी अर्जेंटीना के लिए गोल किया था।

30 अगस्त से शुरू होगी शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग

: शुभमन, अर्शदीप रहे मौजूद; 250 खिलाड़ियों को मिलेगा मंच

चंडीगढ़ एजेंसी। चंडीगढ़ पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का आधिकारिक ऐलान किया गया। इस दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, पंजाब के खेल मंत्री मीत हेयर और पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता मौजूद रहे। घोषणा के अनुसार, लीग की शुरुआत 30 अगस्त से होगी। इसमें पंजाब के विभिन्न जिलों के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 120 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जबकि करीब 250 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल से टीमों का गठन होगा। भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल ने कहा कि यह लीग पंजाब के युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगी। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी आगे चलकर पंजाब और भारत के लिए खेलना चाहते हैं, उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। खेल मंत्री मीत हेयर ने कहा कि पंजाब के लिए यह गर्व की बात है कि शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवराज सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने पंजाब की क्रिकेट विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और आज भारतीय क्रिकेट में पंजाब के खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान है। मीत हेयर ने बताया कि लीग का उद्देश्य केवल स्थापित खिलाड़ियों को मंच देना नहीं, बल्कि जिला और स्थानीय स्तर पर नियमित क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को आगे लाना है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं के आधार पर खिलाड़ियों का चयन कभी भी किया जा सकता है और यह लीग भी खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने कहा कि लीग में खिलाड़ियों का प्रदर्शन भविष्य के चयन में अहम भूमिका निभाएगा, हालांकि किसी खिलाड़ी के चयन के लिए इस लीग में खेलना अनिवार्य नहीं होगा। चयन हमेशा खिलाड़ी के समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, लेकिन यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निश्चित रूप से फायदा मिलेगा।

हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है

पीएम मोदी ने CWG 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा

नई दिल्ली (निप्र)। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 भारत के लिए यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और शूटिंग जैसे खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद देश की झोली में कुल 39 मेडल आए, जिसमें 13 गोल्ड शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीडब्ल्यूजी में भारतीय दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन की सराहना की है। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारतीय खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारे दल के प्रदर्शन पर गर्व है। इस बात की खुशी है कि भारत ने 39 मेडल जीते हैं, जिनमें 13 गोल्ड मेडल शामिल हैं। मेडल जीतने वालों को बधाई। पूरे गेम्स के दौरान, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बेहतरीन कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण दिखाया है। उनकी कड़ी मेहनत हमारे युवाओं को प्रेरित करती रहेगी। भविष्य की कोशिशों के लिए पूरे भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें और देश का मान बढ़ाते रहें। भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। भारत मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 10 मेडल अपने नाम किए, जिसमें 7 गोल्ड शामिल रहे। यह पहला मौका है जब मुक्केबाजी में भारत ने 7 गोल्ड जीते हैं। इसके साथ ही देश को सीडब्ल्यूजी के इतिहास में जूडो के खेल में पहली बार दो गोल्ड मेडल मिले। अस्मिता डे ने जूडो में देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया, जबकि हर्ष सिंह भी गोल्ड को अपने नाम करने में कामयाब रहे।

जूडो में पहली बार गोल्ड

● मुक्केबाजों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, इन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा सीडब्ल्यूजी 2026

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रविवार को शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ समापन हुआ। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए गेम्स में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और हॉकी जैसे महत्वपूर्ण खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद भी भारत की झोली में कुल 39 मेडल आए। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से देश के लिए यादगार रहा इस बार का कॉमनवेल्थ गेम्स। भारतीय मुक्केबाजों का जलवा : कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने इस खेल में कुल 10 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड मेडल शामिल रहे। यह पहला मौका रहा जब मुक्केबाजी में भारत की झोली में 7 गोल्ड मेडल आए। खासतौर पर भारत की बेटियों ने ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में 'गोल्डन पंच' लगाया। महिला मुक्केबाजों ने 5 गोल्ड और एक सिल्वर जीता, जबकि पुरुष मुक्केबाजों ने 2 गोल्ड और 2 सिल्वर अपने नाम किए। जूडो में ऐतिहासिक गोल्ड : भारत का प्रदर्शन जूडो में भी इस बार यादगार रहा। पहली बार भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस खेल में गोल्ड मेडल जीता।

शानदार लोजिंग सेरेमनी के साथ सीडल्यूजी 2026 का समापन, भारत को सौंपी गई मेजबानी

ग्लासगो एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का समापन रविवार को क्लोजिंग सेरेमनी के साथ हुआ। भारत को सीडब्ल्यूजी 2030 के लिए मेजबानी सौंपी गई। क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान भारत के शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक देखने को मिली। इसके साथ ही भारतीय गायक शंकर महादेवन, ऋषभ शर्मा और भूमि त्रिवेदी ने अपनी आवाज से समां बांधा। ग्लासगो के ओवीओ हाइड्रो में हुई क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान स्टेडियम खचाखच भरा रहा। 'वंदे मातरम', 'शिव स्तोत्र' और मशहूर गाना 'सुनो गौर से दुनिया वालों' पर हजारों भारतीय दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमते नजर आए। विदेशी दर्शकों ने भी भारतीय कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। कॉमनवेल्थ गेम्स का बैटन स्कॉटलैंड से भारत को सौंपे जाने के दौरान स्टेडियम का माहौल देखने लायक रहा। इस शानदार समारोह ने खेलों के 11 यादगार दिनों का समापन किया और कॉमनवेल्थ मूवमेंट के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा प्रतीकात्मक रूप से सौंपे जाने के साथ ही, 2030 में अहमदाबाद में खेलों के ऐतिहासिक शताब्दी संस्करण की मेजबानी की दिशा में भारत की यात्रा की शुरुआत हुई। भारतीय स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को भी सीडब्ल्यूजी ध्वज थमाया गया। शाम की शुरुआत स्कॉटिश संस्कृति के जीवंत जश्न के साथ हुई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रॉक बैंड 'सिंपल माइंड्स', डांस ग्रुप 'डायवर्सिटी' और कई मशहूर स्थानीय कलाकारों ने संगीत, नृत्य और विजुअल स्टोरीटेलिंग के जरिए ओवीओ हाइड्रो में धूम मचाई। औपचारिक रूप से झंडा सौंपे जाने के बाद, हर किसी की नजर भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर रही ।

IND vs SLN- बुमराह बाहर

● इस 29 वर्षीय तेज गेंदबाज को पहली बार मिला टेस्ट टीम में मौका

नई दिल्ली (निप्र) : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा फैसला लेते हुए जसप्रीत बुमराह की जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को भारतीय टीम में शामिल किया है। 29 वर्षीय औकिब को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है और उनके पास इस दौरे पर टेस्ट डेब्यू करने का शानदार मौका होगा।

घुटने की चोट के कारण बाहर हुए बुमराह

BCCI की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह बाएं घुटने की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, जिसके चलते उन्हें श्रीलंका दौरे से बाहर कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान बुमराह के घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित क्ष्टष्टद्ब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब किया, लेकिन मेडिकल टीम ने उन्हें पूरी तरह फिट नहीं माना।

ऐसे में चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट ने जोखिम लेने के बजाय उन्हें आराम देने का फैसला किया।

▶▶ **औकिब नबी को मिला पहला टेस्ट कॉल–अप–** अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने बुमराह की जगह औकिब नबी को टीम में शामिल किया है। जम्मू–कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित किया है और हाल ही में इंडिया ए के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया था। अब श्रीलंका दौरे पर उनके पास भारतीय टेस्ट टीम के लिए डेब्यू करने का सुनहरा अवसर होगा।

▶▶ **इंडिया ए के लिए किया था शानदार प्रदर्शन–** औकिब नबी ने जून 2026 में श्रीलंका के खिलाफ इंडिया ए के लिए पदार्पण किया था। पहले ही मैच की पहली पारी में उन्होंने चार विकेट लेकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने कुल पांच विकेट हासिल किए। दूसरे मैच की पहली पारी में वह विकेट नहीं ले सके, लेकिन दूसरी पारी में नई गेंद से एक विकेट अपने नाम किया। सिर्फ गेंद से ही नहीं, बल्ले से भी उन्होंने उपयोगी योगदान दिया।

इंटर मियामी के लिए मेसी की वापसी

● कैसिमिरो ने किया 'ओन गोल'

मियामी एजेंसी। : अर्जेंटीना के विश्व कप फ़ाइनल में हार के बाद स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में इंटर मियामी के लिए सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे। इस मैच में उनके साथी खिलाड़ी कैसिमिरो ने 'ओन गोल' (अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गोल) कर दिया। 19 जुलाई को अपनी टीम की कप्तानी करते हुए 1-0 से हारने के बाद से मेसी ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। 39 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान आठ गोल किए और चार असिस्ट किए। मेसी शनिवार को मेजर लीग सॉकर मैच में 53वें मिनट में मैदान पर उतरे, इस दौरान इंटर मियामी के घरेलू दर्शकों ने उनका ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। उस समय उनकी टीम 2-1 से आगे चल रही थी। उन्हें तुरंत एक मौका मिला लेकिन मुश्किल एंगल से बाएं पैर से मारा गया उनका शॉट साइड-नेटिंग में चला गया। मेसी को जल्द ही एक और मौका मिला, लेकिन लुइस सुआरेज़ की गेंद को छाती से रोकने के बाद, उन्होंने जो शॉट मारा, वह गोलपोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। मियामी ने सुआरेज़ के शानदार लॉन्ग-रेंज चिप शॉट से बढ़त बनाई थी। यह चार मैचों में उनका सातवां गोल था। जुलाई में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद मियामी से जुड़े ब्राज़ील के मिडफील्डर कैसिमिरो ने गलती से कोलंबस के लिए बराबरी का गोल कर दिया। एक क्रॉस को रोकने के प्रयास में उन्होंने गेंद को अपनी ही टीम के नेट में डाल दिया। लेकिन नोआ एलन ने हेडर से घरेलू टीम को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद ब्राइस मेंडेज़ ने अपने डेब्यू मैच में 84वें मिनट में फ्री-किक से गोल करके कोलंबस क्रू को ड्रॉ दिलाया। एडेड टाइम में मेसी के पास जीत दिलाने वाले गोल के कुछ मौके थे, लेकिन उनका एक लूपिंग हेडर थोड़ा बाहर चला गया और फिर दाएं पैर से मारा गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने युवाओं को दिलाया नशामुक्त भारत का संकल्प

नशामुत युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ, देशभर के एक करोड़ से अधिक युवाओं ने लिया नशामुत भारत का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ष्नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानष् का राष्ट्रीय शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर देशभर के एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को संचालित होने वाले इस अभियान के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवनशैली अपनाने, समाज में जनजागरूकता फैलाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी क्रम में अम्बिकापुर के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय संबोधन के सजीव प्रसारण के साथ हुई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में युवाओं ने संबोधन का श्रवण किया तथा इसके पश्चात सभी ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया यह अभियान केवल नशामुक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने, अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ने का आह्वान किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक युवा को जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और परिश्रम से उसे प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव में आए बिना अपनी क्षमता और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ते हुए सफलता अर्जित की जा सकती है। परिवार, समाज और राष्ट्र की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए युवाओं का नशामुक्त और स्वस्थ जीवन अपनाना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर अजीत बसंत ने कहा कि ष्नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानष् देशव्यापी जनजागरण अभियान है, जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवा स्वयं नशे के दुष्प्रभावों को समझें और समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले के युवा इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत तथा उपसभापति हरमंदिर सिंह टिन्नी ने भी युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

धमतरी को मिला दूसरा बॉक्स क्रिकेट मैदान, खेल प्रतिभाओं को मिली नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी शहर में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। जालमपुर वार्ड में निर्मित दूसरे बॉक्स क्रिकेट मैदान का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने फीता काटकर किया। इससे पहले जिले का पहला बॉक्स क्रिकेट मैदान एकलव्य खेल परिसर में विकसित किया गया था। शुभारंभ के अवसर पर मंत्री श्री चौधरी ने स्वयं बल्ला थामकर मैदान में बल्लेबाजी की और आकर्षक शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। नगर निगम महापौर श्री रामू रोहरा ने गेंदबाजी की, जबकि बाद में उन्होंने भी बल्लेबाजी कर खेल का आनंद लिया। इस दौरान मैदान तालियों की गूंज और उत्साह से भर उठा। इस अवसर पर मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल सड़कों, भवनों और अन्य अधोसंरचनाओं से नहीं होती, बल्कि खेल, संस्कृति और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसर भी उसकी प्रगति के महत्वपूर्ण पैमाने होते हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करते हैं। नया बॉक्स क्रिकेट मैदान स्थानीय खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, प्रतियोगिताओं की तैयारी और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। इससे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के अवसर प्राप्त होंगे। मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ और सक्रिय युवा ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होते हैं। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन और नगर निगम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध तरीके से जिले में खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में वॉलीबॉल, बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के लिए भी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण का वातावरण मिलेगा। शुभारंभ समारोह में लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वा, नगर निगम महापौर श्री रामू रोहरा, जनप्रतिनिधिगण, पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी, खेल प्रेमी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 4 परिवारों को कुल 16 लाख रूपए की मिलेगी आर्थिक सहायता'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड-6 क्रमांक-4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदाओं एवं नैसर्गिक विपत्तियों से होने वाली जनहानि के मामलों में प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी क्रम में जशपुर जिले में प्राकृतिक आपदाओं में हुई मृत्यु के 4 प्रकरणों में प्रभावित परिजनों के लिए कुल 16 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। यह सहायता राशि शासन के नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को प्रदान की जाएगी। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील कांसाबेल के ग्राम तिलंगा निवासी स्वर्गीय विकास राम, पिता स्वर्गीय मनोज साय की 27 सितंबर 2025 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतक के निकटतम वैध वारिस उनकी माता लीलावती भगत को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार तहसील सन्ना के ग्राम छिछली (र) निवासी स्वर्गीय बंधन राम, पिता सुखू राम की 16 अगस्त 2025 को सांप काटने की वजह से मृत्यु हो गई थी। मृतक के निकटतम वैध वारिस उनकी पत्नी पुसनी बाई को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार से तहसील सन्ना के ग्राम भंवर निवासी स्वर्गीय विधिचंद बड़ाईक, पिता सगडू की 31 दिसंबर 2025 को ईब नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतिक के निकटतम वैध वारिस उनकी पत्नी पति लक्ष्मी बाई को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। तहसील कांसाबेल के ग्राम तिलंगा निवासी स्वर्गीय शिवम राम, पिता शंकर राम भगत की 27 सितंबर 2025 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मृतक के निकटतम वैध वारिस उनके पिता शंकर राम भगत को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

नशा दीमक की तरह जीवन को खोखला कर देता है : राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशव्यापी नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के वर्चुअल शुभारंभ के साथ ही बलौदाबाजार- भाटापारा जिले में भी इस महाअभियान का शंखनाद हुआ। मुख्य अतिथि की आसंदी से राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि नशा एक दीमक की तरह है जो न केवल व्यक्ति को खोखला करता है, बल्कि उसके परिवार, माता-पिता के सपनों और भविष्य को भी तबाह कर देता है। बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार व समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि देश में जितने भी बड़े परिवर्तन हुए हैं, वे युवाओं के दम पर ही संभव हुए हैं। युवाओं को नशे के चंगुल से मुक्त रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगानी होगी। 100 सप्ताह तक चलेगा जनजागरूकता का महाअभियान इस संकल्प अभियान के तहत आगामी 100 हफ्तों तक जिले भर में खेल, कला, संस्कृति और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशामुक्ति पर केंद्रित एक बेहद संवेदनशील व आकर्षक नाटिका का मंचन किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने युवाओं को संदेश में कहा कि नशा केवल व्यक्ति का नहीं, पूरे परिवार का विनाश करता है।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ करते हुए देशभर के युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रव्यापी अभियान से देशभर के एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के डोंगरिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और हजारों युवाओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक एवं मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मरपची रहे। उनके साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर विजय दयाराम के., वनमंडलाधिकारी मती ग्रीष्मी चांद, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकेश रावटे, अपर कलेक्टर दिलेराम डाहिरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, माय भारत स्वयंसेवक, युवा क्लबों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह के सीधा प्रसारण से हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ष्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतष् अभियान का उद्देश्य प्रत्येक युवा को नशे की गिरफ्त से बचाकर उसकी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता को राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक रूप से उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति को भी कमजोर करता है। प्रधानमंत्री ने अभिभावकों से अपने बच्चों को नशे से दूर रखने तथा युवाओं से स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से देशभर के एक करोड़ से अधिक युवा विकसित भारत के संकल्प से जुड़ रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रम के उपरांत विधायक प्रणव कुमार मरपची ने उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा । जब देश की युवा शक्ति नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल, नवाचार और राष्ट्र सेवा में लगाएगी।

बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और विकास की गाथा को कला के माध्यम से मिलेगी नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल विकास, विश्वास और नई संभावनाओं की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बस्तर की इसी बदलती तस्वीर, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक कला के माध्यम से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका 'कार्टून वॉच' द्वारा 03 अगस्त को जगदलपुर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए इस विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप कार्यम के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर कला की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उन्हें यह बताया जाएगा कि किस प्रकार कला के माध्यम से समाज, संस्कृति और विकास के सकारात्मक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विजन के अनुरूप बस्तर आज अपनी नई पहचान बना रहा है। प्राकृतिक संपदा, जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और पर्यटन स्थलों से समृद्ध बस्तर विकास की नई कहानी लिख रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर दशहरा और यहां की विशिष्ट लोक कला-संस्कृति इसकी पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कर रही है स 'मुस्कुराता बस्तर' कार्यशाला इसी सकारात्मक बदलाव को कला के माध्यम से सामने लाने का प्रयास है। 'कार्टून वॉच' के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और बस्तर की खूबियों को कार्टून कला के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यशाला में दिल्ली के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट माधव जोशी और पुणे के प्रसिद्ध कैरिकेचर कलाकार शुभम जिंदे लाइव डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्टून एवं कैरिकेचर निर्माण की बारीकियां सिखाएंगे। वे विद्यार्थियों को कला के सामाजिक महत्व, रचनात्मक संभावनाओं और रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराएंगे।

'मुस्कुराता बस्तर' कार्यशाला स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ बस्तर की सकारात्मक पहचान को देशभर में पहुंचाने की दिशा में एक अभिनव पहल है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की मौजूदगी में शुरू हुआ नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प भियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री क्र नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी अभियान की औपचारिक शुरुआत विभिन्न जिलों में की गई। सूरजपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महत्व के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री क्रमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री क्र नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया और उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण किया। प्रधानमंत्री क्र नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

दिव्यांग सशक्तिकरण की नई राह : आसान ऋण और प्रशिक्षण से मिली आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम योजना दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आसान ऋण, कम ब्याज दर, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधा मिलने से कई दिव्यांगजन अपने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। प्रेरक सफलता की कहानी ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है सोना थालिया की। उन्होंने निगम से ऋण लेकर स्वरोजगार शुरू किया और समय पर ऋण की अदायगी भी की। उनकी मेहनत और ईमानदारी को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उनकी सफलता से अन्य दिव्यांगजन भी प्रेरित हो रहे हैं। ब्याज दर और ऋण प्रावधान दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने समीक्षा बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। निगम के माध्यम से 50 हजार रुपये तक 5 प्रतिशत, 5 लाख रुपये तक 6 प्रतिशत और 10 लाख रुपये तक 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर ऋण दिया जा रहा है। आवश्यकता होने पर 50 लाख रुपये तक ऋण देने का प्रावधान भी है। समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राहियों को सब्सिडी का लाभ भी मिलता है। प्रशिक्षण और उद्यमिता विकास निगम के प्रबंध संचालक पंकज वर्मा ने बताया कि योजना का उद्देश्य केवल ऋण देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को सफल उद्यमी बनाना है। इसके लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण काक्रर्यम में उत्पाद निर्माण, डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय प्रबंधन और लेखा-जोखा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उनके उत्पादों की बिी के लिए बाजार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदर्शनी और प्रतिभा प्रदर्शन बैठक के दौरान दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार किए गए हर्बल साबुन, मालाएं और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन उत्पादों की गुणवत्ता की सभी ने सराहना की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि उचित अवसर और सहयोग मिलने पर दिव्यांगजन भी अपनी प्रतिभा के बल पर सफल उद्यमी बन सकते हैं। प्रशासनिक निर्देश और निरीक्षण कलेक्टर अमित कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले। बैठक के बाद लोकेश कावड़िया ने आकार आवासीय संस्था का निरीक्षण किया और 12 बच्चों की सुधारात्मक शल्य चिकित्सा शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्तिः वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। स्वस्थ, जागरूक और नवाचार से जुड़ी युवा पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकती है। मंत्री चौधरी आज धमतरी के मराठा मंगल भवन में आयोजित 'नशामुक्त युवादृविकसित भारत संकल्प अभियान में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन लाइव सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत की युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, कौशल, नवाचार, खेल और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री के संदेश का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि नशामुक्ति केवल सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। उन्होंने युवाओं से ज्ञान, तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपनाने तथा अपने परिवार और समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रशिक्षण प्राप्त 100 युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए। साथ ही प्रत्येक प्रशिक्षित युवा को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इस प्रकार कुल 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों, कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों तथा स्थानीय नवाचारों का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। अपने संबोधन में मंत्री चौधरी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है और यही युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा शीघ्र ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में हुई प्रगति से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को भ्रामक और नकारात्मक सामग्री से सतर्क रहना चाहिए। नशा युवा शक्ति, प्रतिभा और भविष्य को कमजोर करता है, इसलिए प्रत्येक युवा को इससे दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और नवाचार आधारित रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम को लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा एवं नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने भी संबोधित किया। उन्होंने नशामुक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर युवा शक्ति को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए युवाओं से समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि जिला प्रशासन युवाओं के कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा, नगर निगम महापौर श्री रामू रोहरा, पूर्व विधायक रंजना साहू, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, विद्यार्थी, युवा, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा